प्रयागराज, रविवार 20 जुलाई 2025 से 26 जुलाई 2025 तक
वर्ष-13 , अंक-29
पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक

नगर संस्करण
डाक पंजीयन नं. 99/2018-20
E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

ट्रम्प बोले- भारत-पाकिस्तान संघर्ष में 5 जेट गिरे,किस देश के यह नहीं बताया; 24वीं बार कहा- जंग मैंने रुकवाई

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का दावा किया। साथ ही उन्होंने कहा- मुझे लगता है कि भारत-पाकिस्तान जंग में सच में पांच जेट गिरे थे। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि ये विमान किस देश के गिरे थे। ट्रम्प ने ये बात व्हाइट हाउस में रिपब्लिकन सांसदों के साथ डिनर के दौरान कही। ट्रम्प अब तक 24 बार भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने की बात कह चुके हैं। पहली बार ऐसा दावा उन्होंने 10 मई को सोशल मीडिया पर किया था। दरअसल, पाकिस्तान ने दावा किया था कि उसने लड़ाई में 5 भारतीय विमान मार गिराए थे। वहीं, भारत ने भी कहा था कि पाकिस्तान के कुछ विमान गिराए गए हैं। पाकिस्तान ने अपने किसी भी विमान के नुकसान से इनकार किया, लेकिन हवाई ठिकानों को निशाना बनाने की बात मानी थी।इससे पहले 14 जुलाई को ट्रम्प ने अपने इस दावे को दोहराया था कि उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के बाद हाल ही में भारत-पाकिस्तान संघर्ष को बढ़ने से रोक दिया था। ट्रम्प ने ये टिप्पणियां नाटो के महासचिव मार्क रूट के साथ अपनी बैठक के दौरान कीं। ट्रम्प ने कहा, 'हम युद्धों को निपटाने में बहुत सफल रहे हैं।' उन्होंने व्यापार को लाभ के रूप में इस्तेमाल करने की अपनी रणनीति की ओर इशारा करते हुए कहा, 'हमने व्यापार के माध्यम से ऐसा किया। मैंने कहा था कि जब तक आप इस मामले को सुलझा नहीं लेते, हम आपसे व्यापार के बारे में बात नहीं करेंगे, और उन्होंने ऐसा किया।' न्यूज एजेंसी एएनआई ने सरकारी सूत्रों के हवाले से दावा किया था की ऑपरेशन सिंदूर में इंडियन एयरफोर्स के हमले में पाकिस्तान के 6 फाइटर जेट, 3 एयरक्राफ्ट और 10 से ज्यादा ड्रोन और क्रूज मिसाइलें तबाह हुई थीं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 6 से 10 मई के बीच भारत ने पाकिस्तान के पंजाब और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में मौजूद आतंकी ठिकानों पर हमला किया था। इसके बाद पाकिस्तान ने भी जवाब देने की कोशिश की, लेकिन भारतीय वायुसेना ने न केवल जवाब दिया, बल्कि पाकिस्तान को भारी नुकसान पहुंचाया। ऑपरेशन सिंदूर में इंडियन एयरफोर्स के रडार और एयर डिफेंस सिस्टम्स ने पाकिस्तान के फाइटर जेट्स को हवा में ही निशाना बनाया। सुदर्शन मिसाइल सिस्टम के जरिए लगभग 300 किलोमीटर दूर उड़ रहे एक हाई-वैल्यू एयरक्राफ्ट को भी मार गिराया गया था। ये एयरक्राफ्ट या तो इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम से लैस था या एयरबोर्न अर्ली वॉर्निंग कंट्रोल सिस्टम। इसके अलावा, राफेल और सुखोई-30 ने पाकिस्तानी सेफ सेंटर (हैंगर) को निशाना बनाया, जिसमें मेड इन चीन विंग लूंग ड्रोन तबाह हुए। सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान के भोलारी एयरबेस पर भी एक स्वीडिश मूल का एईडब्लूसी विमान तबाह हुआ था।पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने 7 मई को पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया था। 7 मई को ही पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संसद में दावा किया था कि हमने भारत के हमले के जवाब में कार्रवाई की, जिसमें 5 भारतीय लड़ाकू विमानों को मार गिराया गया। पांच विमानों में 3 राफेल थे। बाद में पाकिस्तान 6 भारतीय विमान गिराने का दावा करने लगा था। पाकिस्तान ने 11 जुलाई को दोबारा भारत के 6 लड़ाकू विमानों को गिराने का दावा किया था। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने प्रेस ब्रीफिंग में भारत को लड़ाकू विमान गंवाने की बात मानने को कहा था।अली खान ने कहा- भारत को काल्पनिक कहानियों का सहारा लेने के बजाय यह स्वीकार करना चाहिए कि भारत के छह लड़ाकू विमानों को मार गिराया गया और दूसरे मिलिट्री ठीकानो को गंभीर नुकसान पहुंचा।चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान ने मई में ब्लूमबर्ग के साथ बातचीत में विमान मार गिराए जाने का जिक्र किया था। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया था कि किसके और कितने विमान गिरे। ब्लूमबर्ग को दिए इंटरव्यू में सीडीएस ने कहा था असली मुद्दा यह नहीं है कि कितने विमान गिरे, बल्कि यह है कि वे क्यों गिरे और हमने उनसे क्या सीखा। भारत ने अपनी गलतियों को पहचाना, उन्हें जल्दी सुधारा और फिर दो दिन के भीतर दुश्मन के ठिकानों को लंबी दूरी से निशाना बनाकर एक बार फिर प्रभावी तरीके से जवाब दिया। पाकिस्तान के 6 भारतीय जेट गिराने के दावों को लेकर सीडीएस चौहान ने कहा था- बिल्कुल गलत है। गिनती मायने नहीं रखती, बल्कि यह मायने रखता है कि हमने क्या सीखा और कैसे सुधार किया। इस संघर्ष में कभी भी परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की नौबत नहीं आई, जो कि एक राहत की बात है।

राज ठाकरे बोले- भाजपा सांसद को डुबा-डुबाकर मारेंगे:बाहरी ज्यादती करे तो पीटो; निशिकांत दुबे बोले- मैंने ठाकरे को हिंदी सिखा दी

मुंबई। एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे ने कहा कि भाजपा के एक सांसद ने कहा था कि मराठी लोगों को हम यहां पर पटक पटककर मारेंगे। तुम मुंबई आ जाओ। मुंबई के समुंदर में डुबा डुबाकर मारेंगे। राज ठाकरे ने शुक्रवार को मुंबई में एक जनसभा के दौरान कहा, 'मैं यहां भाषा को लेकर कोई विवाद भड़काने नहीं आया हूं, लेकिन सावधान रहो, तुम्हारे साथ कुछ भी हो सकता है। मैं हिंदू हूं, लेकिन मुझ पर हिंदी थोपी नहीं जा सकती।' ठाकरे के इस बयान पर निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि, मैंने ठाकरे को हिंदी सिखा दी। इससे पहले निशिकांत दुबे ने 8 जुलाई को कहा था, 'आप अपने घर महाराष्ट्र में अगर बहुत बड़े बॉस हो तो चलो बिहार, चलो यूपी, चलो तमिलनाडु, तुमको पटक-पटक कर मारेंगे।' बीजेपी सांसद दुबे ने यह जवाब राज ठाकरे के उस बयान पर दिया, जिसमें राज ने कहा था- मराठी ना बोलने पर मारो, लेकिन वीडियो मत बनाओ। दुबे ने न्यूज एजेंसी एएनआई से कहा था कि अगर आपमें ज्यादा हिम्मत है, आप हिंदी भाषी को मारते हैं तो उर्दू भाषी, तमिल, तेलुगु को भी मारो। आप ये घटिया हरकत कर रहे हो।दुबे ने कहा था- ये अराजकता नहीं चलेगी। हम मराठी का सम्मान करते हैं। हम शिवाजी महाराज, तात्या टोपे, तिलक, लाजपत राय का सम्मान करते हैं। ये उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे जो कर रहे हैं, उसका हम प्रतिकार करते हैं। भाजपा सांसद ने कहा था कि अगर उनमें हिम्मत है तो बगल में माहिम इलाके में चले जाएं और दरगाह के पास किसी हिंदी-उर्दू भाषी को पीटकर दिखा दें तो मैं मानूंगा कि वो सचमुच बालासाहेब ठाकरे जी के वारिस हैं और उनके सिद्धांतों पर चल रहे हैं।महाराष्ट्र में हिंदी को लेकर जारी विवाद के बीच उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने 'मराठी एकता' पर 5 जुलाई को मुंबई के वर्ली सभागार में 'मराठी विजय रैली' की थी। दोनों ने 48 मिनट तक हिंदी-मराठी भाषा विवाद, मुंबई-महाराष्ट्र, भाजपा और केंद्र सरकार पर निशाना साधा। दोनों नेताओं ने कहा- तीन भाषा का फॉर्मूला केंद्र से आया। हिंदी से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन इसे थोपा नहीं जाना चाहिए। अगर मराठी के लिए लड़ना गुंडागर्दी है तो हम गुंडे हैं। राज ठाकरे ने कहा था, 'चाहे गुजराती हो या कोई और, उसे मराठी आनी चाहिए, लेकिन अगर कोई मराठी नहीं बोलता तो उसे पीटने की जरूरत नहीं है, लेकिन अगर कोई बेकार का ड्रामा करता है तो आपको उसके कान के नीचे मारना चाहिए। अगर आप किसी को पीटते हैं, तो घटना का वीडियो न बनाएं।

गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की आय 223फीसदी बढ़ी,गुजरात की 5 पार्टियों को रु2316 करोड़ मिले; 2022-23 के आंकड़ों पर एडीआर की रिपोर्ट

नयी दिल्ली। देश में नाममात्र के वोट पाने वाली रजिस्टर्ड गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियों की आय 2022-23 में 223फीसदी बढ़ गई। यह जानकारी एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की रिपोर्ट में सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक देश में 2764 गैर-मान्यता प्राप्त पार्टियां हैं। इनमें से 73फीसदी से ज्यादा (2025) ने अपना फाइनेंशियल रिकॉर्ड सार्वजनिक ही नहीं किया है। बाकी 739 रजिस्टर्ड गैर-मान्यता प्राप्त पार्टियों ने अपना रिकॉर्ड साझा किया है। रिपोर्ट में इन्हीं पार्टियों का एनालिसिस किया गया है। रिपोर्ट से पता चलता है कि गुजरात की ऐसी 5 पार्टियों की कुल आय रु2316 करोड़ रही। इनमें एक साल की आमदनी रु1158 करोड़ थी। जबकि बीते 5 सालों में हुए 3 चुनावों में इन्हें सिर्फ 22 हजार वोट मिले।इन पांचों दलों ने 2019 से 2024 के बीच दो लोकसभा और एक विधानसभा चुनाव में कुल 17 उम्मीदवार खड़े किए, लेकिन कोई जीत नहीं सका। इनमें से चार दल 2018 के बाद रजिस्टर्ड हुए हैं।कितनी पार्टियों ने जानकारी दी। कुल पार्टियां- 2764 जानकारी दी- 739 (26.74फीसदी) जानकारी नहीं दी- 2025 (73.26फीसदी) एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स एक गैर-सरकारी संगठन है, जो भारत में चुनावी और राजनीतिक सुधारों को बढ़ावा देने के लिए काम करता है। इसकी स्थापना वर्ष 1999 में भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद के कुछ प्रोफेसरों और पूर्व छात्रों द्वारा की गई थी। एडीआर का उद्देश्य भारतीय लोकतंत्र को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जिम्मेदार बनाना है। यह खास तौर पर राजनीतिक दलों और नेताओं की पृष्ठभूमि, आय-व्यय और आपराधिक रिकॉर्ड को सार्वजनिक करने का कार्य करता है।

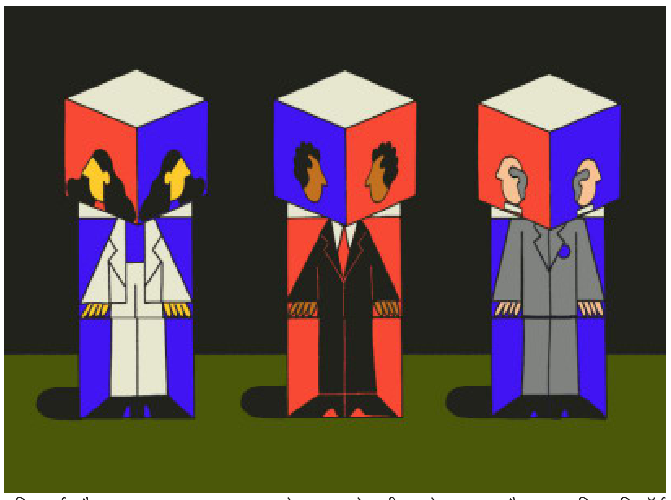

एडीआर हर चुनाव से पहले उम्मीदवारों के नामांकन पत्रों में दिए गए आपराधिक मामलों, संपत्ति, शिक्षा आदि की जानकारी को विश्लेषित करके रिपोर्ट तैयार करता है।यह संगठन राजनीतिक दलों की आय, खर्च और चंदे की जानकारी आरटीआई और चुनाव आयोग के दस्तावेजों के जरिए जुटाकर जनता के सामने लाता है।

सांसदों और विधायकों के कार्यकाल में उनकी संपत्ति में कितनी वृद्धि हुई, इसका तुलनात्मक अध्ययन करता है। एडीआर वोटर्स को शिक्षित करता है। चुनाव पारदर्शिता की मांग को लेकर अभियान चलाता है।

हाईकोर्ट चौराहे पर कार ने 3 महिलाओं को रौंदा,सड़क पर सभी सो रही थीं, 2 की मौत, एक की हालत गंभीर

प्रयागराज। शहर के हाई कोर्ट चौराहे पर सोमवार रात हुआ एक भयावह हादसा अब और भी दर्दनाक बन गया है। रात करीब 10:30 बजे एक तेज रफ्तार वैगनआर कार ने फुटपाथ पर सो रही तीन महिलाओं को कुचल दिया था। घटना के बाद तीनों को आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया था, लेकिन इलाज से पहले ही एक महिला सुनौली देवी की रास्ते में ही मौत हो गई थी। आज शनिवार को इस हादसे में गंभीर रूप से घायल दूसरी महिला गुलाब कली ने भी इलाज के दौरान दम तोड़ दिया है। तीसरी महिला श्रीदेवी की हालत नाजुक बनी हुई है और उसका इलाज एसआरएन अस्पताल में चल रहा है।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे के समय कार की रफ्तार काफी तेज थी और चालक नियंत्रण खो चुका था। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि महिलाएं दूर तक उछल गईं। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर भीड़ को शांत किया और कार को सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में खड़ा करा दिया। घटना के बाद से कार चालक मौके से फरार है। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज और वाहन नंबर के आधार पर आरोपी चालक और वाहन स्वामी की तलाश में जुटी हुई है। हादसे को लेकर स्थानीय लोगों में गहरा आक्रोश है।

लोगों का कहना है कि फुटपाथ पर सोने वाले बेसहारा लोगों के लिए कोई स्थायी व्यवस्था न होने के कारण ही इस तरह की घटनाएं बार-बार हो रही हैं।यह हादसा न सिर्फ़ प्रशासनिक लापरवाही की ओर इशारा करता है, बल्कि शहर में सड़क सुरक्षा और रात्रि गश्त की प्रभावशीलता पर भी सवाल खड़े करता है।पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी चालक को गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रयागराज में कांवड़ियों और नमाजी में तनातनी लाठी-डंडे चले

प्रयागराज। में शुक्रवार को कांवड़िए और नमाजी भिड़ गए। इससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। आरोप है कि नमाजियों ने लाठी-डंडे और तलवार से कांवड़ियों पर हमला कर दिया। पथराव भी किया। इससे कई कांवड़िए घायल हो गए। विवाद डीजे बजाने को लेकर हुआ था। मुस्लिम पक्ष ने डीजे की आवाज कम करने को कहा था। सूचना पाकर दो थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस के सामने भी नमाजी और कांवड़ियों में धक्कामुक्की हुई। पुलिस ने किसी तरह हालात संभाला। मामला सरायं ख्वाजा मऊआइमा के पास का है। पीड़ित पक्ष ने 15 नामजद और 50 अज्ञात के खिलाफ शिकायत दी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। कड़ी सुरक्षा के बीच कांवड़ियों को मस्जिद के पास से निकाला गया। कांवड़ यात्रा में शामिल महेंद्र कुमार ने मऊआइमा थाने में आरोपियों के खिलाफ शिकायती पत्र दिया है। महेंद्र सराय स्नाला के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया, दोपहर करीब 1:30 बजे वह और अन्य श्रद्धालु कांवड़ यात्रा में शामिल होकर भगवान भोलेनाथ को जल चढ़ाने के उद्देश्य से डीजे के साथ नाचते-गाते हुए निकल रहे थे।

ख़बर ज़रा हटके

बांदा में एक युवक ने शराब के नशे में घर में घुसे एक सांप को ही निगल लिया

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा में अशोक नाम के एक युवक ने शराब के नशे में घर में घुसे एक सांप को ही निगल लिया। जैसे ही अशोक की मां ने यह देखा तो उन्होंने फौरन अशोक के मुंह से सांप के बाकी टुकड़े निकाले, तब तक अशोक सांप के दो हिस्से खा चुका था। तुरंत परिजन अशोक को कम्युनिटी हेल्थ सेंटर ले गए। डॉक्टरों ने फौरन इलाज शुरू किया और अब उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। डॉक्टरों ने साफ किया कि अगर सांप जहरीला होता, तो अशोक की जान बचाना नामुमकिन होता।

कैसे खाना चुराकर बॉयफ्रेंड बना रही लड़कियां?

अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में कुछ लड़कियों ने डेटिंग के लिए बॉयफ्रेंड खोजने का एक अनोखा तरीका अपनाया है। ये महिलाएं रेस्टोरेंट से सलाद चुराकर पार्टनर ढूंढ रही हैं। दरअसल डेटिंग ऐप पर बॉयफ्रेंड न मिलने से परेशान होकर लड़कियों ने लंच टाइम में रेस्टोरेंट्स से लड़कों का फूड पैकेट चुरा रही हैं। फिर, पैकेट पर लिखे नाम से लिंक्डइन पर शख्स को ढूंढ़कर मैसेज भेजती हैं- सॉरी, मैंने गलती से तुम्हारा फूड पैकेट ले लिया, अगला मैं खिला दूंगी। इसी तरह से वे डेटिंग के लिए लड़के खोज रही हैं।

कुत्ते के लिए क्यों बेचा कंपनी और लग्जरी कार?

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में कुछ लड़कियों ने डेटिंग के लिए बॉयफ्रेंड खोजने का एक अनोखा तरीका अपनाया है। ये महिलाएं रेस्टोरेंट से सलाद चुराकर पार्टनर ढूंढ रही हैं। दरअसल डेटिंग ऐप पर बॉयफ्रेंड न मिलने से परेशान होकर लड़कियों ने लंच टाइम में रेस्टोरेंट्स से लड़कों का फूड पैकेट चुरा रही हैं। फिर, पैकेट पर लिखे नाम से लिंक्डइन पर शख्स को ढूंढ़कर मैसेज भेजती हैं- सॉरी, मैंने गलती से तुम्हारा फूड पैकेट ले लिया, अगला मैं खिला दूंगी। इसी तरह से वे डेटिंग के लिए लड़के खोज रही हैं।

घूस न लेने पर पुलिस को क्यों मिला दोगुना इनाम?

रूस। रोस्तोव में पुलिस ने करप्शन से लड़ने का एक अनोखी पॉलिसी बनाई है। इसके तहत अब अगर कोई पुलिस अधिकारी रिश्वत लेने से इनकार करता है, तो उसे सरकार उतनी ही रकम इनाम में देगी, जितनी रिश्वत उसे ऑफर की गई थी। इंटरनल अफेयर्स मिनिस्ट्री ने बताया कि कुछ अफसरों को इस पॉलिसी के तहत इनाम भी दिया जा चुका है। हालांकि, इस नियम पर सवाल उठ रहे हैं। क्रिटिक्स का कहना है कि इससे भ्रष्ट पुलिसकर्मी जानबूझकर रिश्वत के मौके ढूंढ सकते हैं, या फिर ईमानदारी का दिखावा करके भी पैसा कमा सकते हैं। डर है कि इससे पुलिस अपने असली काम से भटककर 'शिकार' ढूंढने में लग जाएगी।

झूमर की तरह घर में क्यों लटकाया मर्सिडीज कार?

दुबई में रहने वाले मशहूर यूट्यूबर मोहम्मद बीराघडारी ने अपने घर की सजावट के लिए एक अनोखा कारनामा किया है। उन्होंने करीब 4.3 करोड़ रुपए की फरारी कार खरीदी, फिर उसे छत से 'झूमर' की तरह लटकाया। यूट्यूबर का कहना है कि ये उनके घर की अब तक की सबसे बोल्ड सजावट है। इस अनोखे कारनामे को इंस्टाग्राम पर 84.9 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है।

दिनदहाड़े गल्ला कारोबारी के घर लाखों की लूट,ढाई लाख रुपए और 25 तोला सोना ले गए लुटेरे,मुंह में दुपट्टा ठूस दिया

प्रयागराज। कौंधियारा क्षेत्र के जारी बाजार में बेखौफ बदमाशों ने दिनदहाड़े गल्ला कारोबारी की पत्नी को बंधक बनाकर लाखों रुपए की लूट कर ली। चाकू की नोक पर हुई वारदात में बदमाश लगभग ढाई लाख रुपए नगद और 25 तोला सोना ले गए हैं। पुलिस मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश कर रही है। गल्ला मण्डी जारी बाजार निवासी राज कुमार केसरवानी गल्ला कारोबारी हैं। हर दिन की तरह शुक्रवार सुबह भी वह घर से कुछ दूर स्थित दुकान पर चले गए।बच्चे भी स्कूल गए थे। घर में उनकी पत्नी राधा देवी अकेली थीं। लगभग 10 बजे वह स्नान कर घर के बाहर स्थित मंदिर में पूजा करने गई थीं। घर का मुख्य द्वार खुला हुआ था। इसी बीच दो बदमाश घर में घुस गए। कुछ देर बाद राधा देवी पूजा करके घर लौटीं तो बदमाशों ने चाकू दिखाकर उन्हें बंधक बना लिया। शोर मचाने की कोशिश पर बदमाशों ने मारपीट कर मुंह में उन्हीं का दुपट्टा ठूस दिया। बदमाशों ने उनका गला दबाने की कोशिश की जिससे वह डर गईं। इसके बाद बदमाश राधा को लेकर ऊपर के कमरे में गए और आलमारी का ताला खुलवाकर उसमें रखी नगदी और सोने के जेवरात लेकर घर से निकल गए। डरी-सहमी राधा ने बदमाशों के जाने के बाद शोर मचाया तो आसपास के लोग और पति राज कुमार घर पहुंचे। कमरे में सारा सामान बिखरा था, जिसे देखकर लग रहा था कि बदमाशों ने पूरे कमरे को खंगाला था। राज कुमार ने घटना की सूचना पुलिस को दी तो एसओ कौंधियारा फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने कमरे से साक्ष्य जुटाए। घटना के समय राज कुमार के घर के बाहर कुछ मजदूर लकड़ी का काम कर रहे थे। लेकिन बदमाशों ने सब कुछ इतनी सावधानी से किया कि उन्हें कुछ पता ही नहीं चला। बताया यह भी गया कि दो बाइक पर चार बदमाश आए थे। दो घर के भीतर गए थे और दो बाहर निगरानी कर रहे थे। लुटेरों का शिकार बने कारोबारी के मुताबिक बदमाश लगभग ढाई लाख रुपया नगद और 25 तोला सोने के जेवरात ले गए हैं। घटना के संबंध में एसओ कौंधियारा कुलदीप शर्मा ने बताया कि मुकदमा दर्जकर लुटेरों की तलाश की जा रही है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बिहार में शराब तस्करी का प्रयास नाकाम,प्रयागराज स्टेशन से 4 तस्कर गिरफ्तार, जब्त हुई 1लाख की शराब

प्रयागराज। छिवकी रेलवे स्टेशन पर पुलिस और आबकारी विभाग ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। क्राइम विंग, आबकारी विभाग और रेलवे सुरक्षा बल की संयुक्त टीम ने ऑपरेशन सतर्क के तहत चार शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपी प्लेटफॉर्म नंबर-3 के एफओबी-01 के नीचे रैम्प के पास पैसेंजर बेंच पर बैठे मिले। सभी आरोपी बिहार के पटना जिले के रहने वाले हैं। इनमें चन्दन कुमार, प्रवीन कुमार, संकित कुमार और भूलेंकन कुमार शामिल हैं। आरोपियों की उम्र 18 से 24 वर्ष के बीच है। शराब की कीमत 1,05,900 रुपए आंकी गई तस्करों के पास से विभिन्न ब्रांड की शराब बरामद हुई है। इसमें 24 किंगफिशर बीयर, 36 बडवाइजर बीयर, 65 ब्लेंडर प्राइड, 36 रॉयल स्टैग और 79 आफ्टर डार्क ब्लू की बोतलें शामिल हैं। बरामद शराब की कुल कीमत 1,05,900 रुपए आंकी गई है। पूछताछ में पता चला कि आरोपी इस शराब को बिहार ले जाने की योजना बना रहे थे, जहां शराबबंदी लागू है। सभी आरोपियों को आबकारी विभाग के सेक्टर-4 प्रयागराज को सौंप दिया गया है। मामले की जांच जारी है।

प्रयागराज में 10 रुपये में भरपेट भोजन,फात्मा वेलफेयर सोसायटी ने शुरू की सस्ती भोजन सेवा

प्रयागराज। करैली इलाके में स्थित नाज़ मल्टिस्पेशियलिटी हॉस्पिटल में शुक्रवार को फात्मा वेलफेयर सोसायटी ने जरूरतमंदों के लिए एक अनूठी और मानवता से भरी पहल की शुरुआत की। इस योजना के तहत अब आम जन, मरीजों के तीमारदारों, छात्र-छात्राओं, नर्सिंग स्टाफ और रोज़मर्रा के श्रमिकों को मात्र 10 रुपये में स्वच्छ, स्वादिष्ट और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। इस सेवा का शुभारंभ सोसायटी की प्रमुख डॉ. नाज़ फात्मा ने स्वयं पहले टोकन लेकर किया। उन्होंने कहा कि यह योजना सिर्फ़ भोजन वितरण की नहीं, बल्कि जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक सहयोग देने की कोशिश है। पहले ही दिन लगभग 250 लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया और सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक भोजन वितरण किया गया। पहले दिन पूड़ी, पनीर की सब्ज़ी और बूंदी का रायता परोसा गया। योजना के अनुसार प्रतिदिन अलग-अलग व्यंजन जैसे दाल-चावल, रोटी-सब्ज़ी, कढ़ी-चावल, छोले-भटूरे आदि परोसे जाएंगे। भोजन प्राप्त करने के लिए लाभार्थियों को तीन घंटे पहले रजिस्ट्रेशन कराना आवश्यक होगा। इस सेवा में डॉ. नाज़ फात्मा के साथ डॉ. जमशेद अली, डॉ. नावेद शेख, अमित यादव, शिवम् यादव, सय्यद मोहम्मद अस्करी, शाद, रेयान, तैय्यबा और सबा सहित कई स्वयंसेवक भी मौजूद रहे, जिन्होंने आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया। यह पहल उन लोगों के लिए बड़ी राहत है जो अस्पतालों में अपनों की देखभाल कर रहे हैं या सीमित संसाधनों के चलते भरपेट भोजन नहीं जुटा पाते। फात्मा वेलफेयर सोसायटी का यह छोटा सा प्रयास आज समाज के लिए एक बड़ी सीख और प्रेरणा बन चुका है।

प्रेमचंद की पांडुलिपियों सहित 6 करोड़ की लूट,ऐतिहासिक साहित्यिक सामग्री चोरी

प्रयागराज। मुंशी प्रेमचंद की दुर्लभ हस्तलिखित पांडुलिपियां, अष्टधातु की मूर्तियांऔर अन्य ऐतिहासिक सामग्री सहित करीब 6 करोड़ रुपये का सामान लूट लिया गया। साहित्य नगरी प्रयागराज के कर्नलगंज थाना क्षेत्र में कटरा बाजार स्थित एक पुश्तैनी किताब व स्टेशनरी दुकान में बीते 30 जून को यह घटना हुई। बदमाशों ने सेंध लगाकर वारदात को अंजाम दिया। इस दुकान की मालकिन कनक भार्गव महान साहित्यकार मुंशी प्रेमचन्द की अमूल्य धरोहर की संरक्षक भी हैं। उन्होंने ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में पुलिस प्रशासन पर गम्भीर आरोप लगाए। कनक भार्गव के अनुसार, यह काम उनके पड़ोसी श्रीनाथ गुप्ता व राजेश गुप्ता के नेतृत्व में किया गया। आरोप लगाया कि वह दोनों कथित रूप से एक भू-माफिया गिरोह चलाते हैं। पीड़िता का कहना है कि उनके पड़ोसी पहले से ही दुकान की करीब 10 फीट जगह पर अवैध कब्जा किए हुए हैं। वह दुकान हड़पने की मंशा रखते थे। पत्रकारों से वार्ता के दौरान आरोप लगाया कि उन्होंने पुलिस को घटना के बाद लिखित रूप से तहरीर दी, लेकिन पहले मुकमदा दर्ज नहीं किया गया। बाद में अधिकारियों के हस्तक्षेप पर श्रीनाथ, राजेश गुप्ता सहित आठ लोगों पर बीएनएस की धारा 331 (4),305,186(2),324(2), 352,351 (2) के तहत मामल दर्ज किया। आरोप लगाया कि पुलिस को पूरे मामले की जानकारी है। इसके बाद भी अब तक इस मामले में एक भी आरोपित की गिरफ्तारी नहीं कर सकी है। न ही करोड़ों का माल ही बरामद कर सकी है। जबकि मौके पर फोरेन्सिक टीम के सदस्य भी जांच कर गए हैं। कनक भार्गव का आरोप है कि पुलिस जान-बूझकर अभियुक्तों को संरक्षण देकर मेरा उत्पीड़न करवा रही है। अभियुक्तों को सफेदपोशों का भी संरक्षण है।कनक भार्गव ने कहा कि अगर 48 घंटे के भीतर पुलिस आरोपियों के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं करती है, तो वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर इस मामले की उच्चस्तरीय जांच करवाने की अपील करेंगी। इसके साथ ही वे पुलिस के भ्रष्टाचार और अधिकारियों के दबाव के बारे में भी खुलासा करेंगी। कनक ने यह भी कहा कि अगर उन्हें न्याय नहीं मिलता, तो वह अभियुक्तों के काले कारनामों को उजागर कर देंगी।

पांच अधिकारियों ने दिलाई प्रयागराज को सफलता,गंगा टाउन सिटी कैटेगरी में प्रयागराज रहा देश में सबसे ऊपर

प्रयागराज। गंगा टाउन सिटी कैटेगरी में प्रयागराज को देश में सबसे पहला स्थान मिला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र को पीछे छोड़ते हुए प्रयागराज ने यह मुकाम हासिल किया है। इसमें बड़ा रोल नगर निगम के कई अधिकारियों का रहा है। जिन्होंने इस सफलता को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एक दिन पहले ही दिल्ली में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर से महापौर गणेश केसरवानी और नगर विकास मंत्री एके शर्मा को पुरस्कृत किया। प्रयागराज में गंगा के किनारे घाटों आदि की सफाई के लिए नगर निगम की तरफ से 140 सफाई मित्र लगाए गए थे। जो पूरे साल घाटों की नियमित सफाई में जुटे रहे। नगर निगम जोन चार के तत्कालीन जोनल अधिकारी संजय ममगई बताते हैं कि महाकुंभ के समय शहर के साथ ही मेला क्षेत्र में तीन चरण में सफाई का कार्य कराया जा रहा था। जिससे शहर में आने वाले कहीं पर भी गंदगी दिखाई ना दें। इसके साथ ही शहर के प्रत्येक इलाके में मैनुअल के साथ ही मशीनों से भी लगातार सफाई करायी जा रही थी।संगम नगरी में महाकुंभ के समय करीब साढ़े चार हजार सफाई कर्मियों के साथ ही तीन हजार अतिरिक्त सफाई कर्मियों की तैनाती की गई है। इस बारे में अपर नगर आयुक्त अरविंद राय बताते हैं कि उस समय कई चरणों में सफाई करायी जा रही थी। इस कार्य में महापौर गणेश केसरवानी व तत्कालीन नगर आयुक्त चंद्रमोहन गर्ग के नेतृत्व में निगम के सभी अधिकारी इस कार्य को सफलता पूर्वक करने में जुटे रहे। खासबात यह रही कि महाकुंभ के दौरान किसी भी कर्मचारी ने एक दिन की छुट्टी नहीं ली। हालांकि मेला खत्म होने के बाद सभी की छुट्टी को एडजेंस्ट किया गया। अपर नगर आयुक्त दीपेंद्र यादव की रही खास भूमिका गंगा टाउन सिटी में प्रथम स्थान हासिल कराने में अहम भूमिका अपर नगर आयुक्त दीपेंद्र यादव की भी रही। अपर नगर आयुक्त अरविंद राय बताते हैं कि महाकुंभ के समय घाटों की सफाई आदि की व्यवस्था अपर नगर आयुक्त दीपेंद्र यादव को सौंपी गई थी। वहीं अरैल की तरफ साफ-सफाई की जिम्मेदारी जोनल अधिकारी अखिलेश त्रिपाठी की रही। जिन्होंने लगातार कार्य करके इस सफलता को हासिल करने में अहम भूमिका निभाई।

अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन का सूबेदारगंज जंक्शन पर हुआ स्वागत

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुक्रवार को देश को समर्पित चार अमृत भारत एक्सप्रेस में एक राजेंद्र नगर पटना से दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस के प्रथम आगमन पर सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मंत्री नन्दी ने अधिकारियों के साथ राजेंद्रनगर से पटना जाने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस के सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन पर आगमन होने पर ट्रेन का स्वागत किया। वहीं ट्रेन में सवार पैसेंजर्स का अभिनन्दन किया। ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर नई दिल्ली के लिए रवाना किया। इस अवसर पर डीआरएम रजनीश अग्रवाल, सीनियर डीसीएम अतुल यादव एवं अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।एलएचबी कोच, एलईडी लाइट्स, मोबाइल चार्जिंग व बायो-टॉयलेट्स के साथ ही अन्य कई आधुनिक सुविधाओं से लैस राजेंद्रनगर पटना से नई दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन के सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन पर प्रथम आगमन पर आयोजित स्वागत कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मंत्री नन्दी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व स्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से रेल यातायात को नया विस्तार और रेल यात्रियों को सुगम और सुरक्षित यात्रा मिल रही है। निश्चित रूप से इस नए आधुनिक ट्रेन के शुभारंभ होने से अब प्रयागराज के यात्रियों का प्रयागराज से दिल्ली का सफर और भी आसान और आरामदायक हो जाएगा।मंत्री नन्दी ने कहा प्रधानमंत्री के विजन और उनके देश की जनता की प्रगति व सुविधा के प्रति समर्पण का प्रतीक है। 'अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन एक संकल्प है- भारत को तेज, सुलभ और आधुनिक यातायात व्यवस्था से जोड़ने का। यह ट्रेन देश के आम जन को समर्पित है, जो रोज अपनी मंजिल तक पहुंचने के लिए भारतीय रेलवे पर भरोसा करते हैं। इस ट्रेन की विशेषताएँ आधुनिक भारत की तस्वीर को दर्शाती हैं। इसमें बेहतर कोच, स्वच्छता की सुविधा, तेज रफ्तार, आरामदायक सीटें और यात्रियों की सुरक्षा के लिए आधुनिक तकनीक का समावेश किया गया है। अमृत भारत एक्सप्रेस न केवल यातायात को बेहतर बनाएगी बल्कि स्थानीय व्यापार, पर्यटन और रोजगार की संभावनाओं के नये अवसर भी खोलेगी।मंत्री नन्दी ने कहा कि आजादी के अमृत काल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा देश भर में रेलवे नेटवर्क को सशक्त बनाने की जो मुहिम चलाई जा रही है। अमृत भारत ट्रेन उसका एक मज़बूत पड़ाव है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार में उत्तर प्रदेश की रेलवे सुविधाओं को निरन्तर नई ऊंचाई मिल रही है। भारतीय रेलवे उत्तर प्रदेश में आधारभूत रेल संरचना को उन्नत करने के लिए प्रतिबद्ध है। उत्तर प्रदेश में 94 हजार 564 करोड़ रूपए की लागत से विकास परियोजनाओं को क्रियान्वित किया जा रहा है। वर्तमान वित्त वर्ष के बजट में उत्तर प्रदेश को रिकॉर्ड 19 हजार 858 करोड़ रूपए का आवंटन प्राप्त हुआ है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश में 157 अमृत स्टेशन विकसित किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में रेलवे सुविधाओं के विस्तार की यात्रा निरन्तर आगे बढ़ रही है।

कारपेंटर के बेटे ने बनाया ड्रोन,पिता के औजारों से सीखा काम

प्रयागराज। शिव चरणदास कन्हैया लाल इंटर कॉलेज का दसवीं कक्षा का छात्र शिवांशु प्रजापति आज न सिर्फ़ अपने स्कूल बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा बन गया है। एक साधारण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवार में जन्मा यह होनहार छात्र तकनीकी दुनिया में कदम दर कदम सफलता की ओर बढ़ रहा है। हाल ही में उसने अपने दम पर एक उड़ने वाला ड्रोन तैयार किया है, जिसे देखकर स्कूल के शिक्षक, छात्र और आसपास के लोग आश्चर्यचकित हैं।शिवांशु का परिवार बेहद साधारण है। उसके पिता सतीश चंद्र पिछले 15 वर्षों से कारपेंटर का काम कर रहे हैं और मेहनत-मजदूरी कर किसी तरह अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। इस आर्थिक स्थिति में जहां बच्चों को पढ़ाई के लिए भी संघर्ष करना पड़ता है, वहीं शिवांशु ने परिस्थितियों को अपनी कमजोरी नहीं बनने दी, बल्कि उन्हें ही अपनी ताकत बना लिया।बचपन से ही उसने टूटी-फूटी चीजों को जोड़ने, सुधारने और उनके साथ प्रयोग करने की आदत बना ली थी। पिता के साथ लकड़ी के काम और घर में खराब इलेक्ट्रॉनिक सामानों को खोलना-जोड़ना उसकी जिज्ञासा का हिस्सा बन गया। यही जिज्ञासा धीरे-धीरे तकनीकी समझ में बदली और उसने शुरुआत में एक वैक्यूम क्लीनर और फिर एक बोट (नाव) भी बनाई।शिवांशु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्किल इंडिया मिशन' से काफी प्रभावित है। जब स्कूल में इस मिशन और आधुनिक तकनीकों जैसे ड्रोन, रोबोटिक्स, और एआई के बारे में पढ़ाया गया, तो उसकी कल्पना को नई उड़ान मिली। स्कूल के कंप्यूटर टीचर विश्वनाथ

मिश्रा ने उसकी प्रतिभा को पहचाना और उसे ड्रोन पर प्रोजेक्ट तैयार करने को कहा। परिणामस्वरूप, जहां बाकी छात्र सिर्फ़ रिपोर्ट और चित्र बना रहे थे, वहीं शिवांशु ने एक असली उड़ने वाला ड्रोन बनाकर दिखा दिया। उसके इस प्रयास ने न सिर्फ़ स्कूल को गौरवान्वित किया, बल्कि यह साबित कर दिया कि अगर इच्छा और जज्बा हो, तो किसी भी संसाधन की कमी राह नहीं रोक सकती। शिवांशु के क्लास टीचर सत्यम दुबे बताते हैं कि वह विज्ञान पढ़ाते समय बच्चों को हमेशा प्रेरित करते हैं कि सिर्फ किताबों तक सीमित न रहें, बल्कि अपने विचारों को प्रयोगों में बदलें। शिवांशु ने उनकी बात को गंभीरता से लिया और अब वह हर उस विषय में रुचि लेता है, जो विज्ञान और तकनीक से जुड़ा हो। भविष्य में शिवांशु एक वैज्ञानिक बनना चाहता है। उसका सपना है कि वह देश के लिए ऐसे उपकरण और तकनीकें बनाए जो आम आदमी के जीवन को आसान बना सकें। उसके ड्रोन में अभी कुछ सुधार की जरूरत है, जिसे स्कूल के शिक्षक मिलकर पूरा करने में उसकी मदद कर रहे हैं।शिवांशु के पिता बताते हैं कि कई बार उनके पास इतने पैसे नहीं होते कि वह बेटे की हर ज़रूरत को पूरा कर सकें, लेकिन उनका बेटा कभी रुकता नहीं। वह जुगाड़ तकनीक अपनाकर खराब चीजों से नए उपकरण बनाता है। कई बार तो उसने बाजार से सस्ते पुर्जे लाकर खुद ही उन्हें जोड़ना सीखा। पिता सतीश चंद्र का कहना है कि उनका सपना है कि शिवांशु एक दिन बड़ा वैज्ञानिक बने और उनका नाम रोशन करे। वह मानते हैं कि आज उनका बेटा जिस राह पर है, वह लाखों युवाओं के लिए एक मिसाल बन सकता है।शिवांशु की प्रतिभा देखकर स्कूल के शिक्षकों ने न सिर्फ़ उसकी सराहना की है बल्कि आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी भी उठाई है। कंप्यूटर टीचर विश्वनाथ मिश्रा बताते हैं कि स्कूल के सभी शिक्षक मिलकर शिवांशु के ड्रोन को और उन्नत बनाने के लिए आर्थिक सहायता देने का निर्णय कर चुके हैं।

प्रयागराज में दूसरे सोमवार के लिए विशेष इंतजाम,11 जुलाई से 9 अगस्त तक भारी वाहनों पर रोक, कांवड़ यात्रा पर ट्रैफिक अलर्ट

प्रयागराज। सावन महीने में कांवड़ यात्रा को देखते हुए यातायात विभाग ने व्यापक दिशा- निर्देश जारी किए हैं। यह निर्देश 11 जुलाई 2025 से शुरू होकर 9 अगस्त 2025 तक प्रभावी रहेंगे। इस अवधि में बड़ी बसें एवं कॉमर्शियल वाहनों का ट्रैफिक डायवर्जन किया जाएगा, जिससे यात्रा के दौरान यातायात सुगम और सुरक्षित बना रहे। प्रमुख मार्गों पर ऑरेंज और ब्लू लाइन का प्रयोग सुनिश्चित किया जाएगा. इसी कड़ी में जीटी जवाहर अलोपी बाग चुंगी से वाराणसी मार्ग पर भी टी प्रयागराज सीमा तक बांए लेन पर सभी भारी एवं कॉमर्शियल वाहनों का पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। खासतौर पर 21 जुलाई 2025 को द्वितीय सोमवार के लिए रूट डायवर्जन भी किया जाएगा, जो 19 जुलाई शनिवार रात 10 बजे से शुरू होकर 22 जुलाई रात 10 बजे तक चलेगा। इसके अलावा दूसरे जिले को जाने वाले रास्तों पर भी निर्देश जारी किए गए हैं। कानपुर से वाराणसी जाने वाले वाहन रामादेवी, जार्ज मऊ, शहीद चंद्रशेखर आजाद मार्ग से होकर जाएंगे और वापसी भी इसी मार्ग से होगी।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के छात्रों का Maschio Gaspardo में चयन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण

केंद्र के 40 छात्रों का चयन नोएडा स्थित Maschio Gaspardo कंपनी में हुआ है। इस उपलब्धि पर परिवार ने छात्रों को बधाई दी है। केंद्र के प्रबंधतंत्र ने छात्रों का सम्मान और अभिनंदन किया। प्रवेश प्रभारी मोहम्मद कौसर ने कहा कि यह केंद्र के लिए गौरव की बात है। उन्होंने छात्रों और प्रशिक्षकों से और मेहनत करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मुख्य

अतिथि महेंद्र अरोड़ा और Maschio Gaspardo के प्रतिनिधि शिवांगी शुक्ला, विवेक पाटिल, विनय चंद्रा, जितेंद्र सिंह, तेजवीर सिंह और दीपक पाटिल उपस्थित थे। इस उपलब्धि से केंद्र के छात्रों का आत्मविश्वास बढ़ा है और उन्हें उद्योगों में रोजगार के अवसर प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

प्यार के लिए धर्म बदलने को तैयार मुस्लिम युवती,पहले युवक ने इस्लाम अपनाकर की शादी अब छोड़कर मुंबई भाग गया

प्रयागराज। एक अनोखा मामला सामने आया है। एक मुस्लिम युवती

अपने हिंदू प्रेमी को पाने के लिए धर्म परिवर्तन तक करने को तैयार है। युवती अनाथ है और अपनी बहन के घर रहकर पढ़ाई करती थी। हंडिया के एक स्कूल में उसकी मुलाकात उतरांव के बरेठी गांव के मनीष कुशवाहा से हुई। दोनों में प्यार हो गया। 1 जुलाई 2024 को मनीष ने धर्म परिवर्तन कर फिरोजाबाद में युवती से निकाह कर लिया।1 साल के अंदर ही युवती को छोड़ दिया एक साल के अदर ही मनीष ने परिवार के विरोध पर युवती को छोड़ दिया। वह युवती के हजारों रुपए और आभूषण लेकर मुंबई भाग गया। युवती के पास मनीष के आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज थे। इनकी मदद से वह जीआरपी पुलिस के सहयोग से प्रयागराज पहुंची। युवती ने थाने में एफआईआर दर्ज कराई युवती ने उतरांव थाने में मनीष के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। वह अब भी अपने पति को पाना चाहती है। इसके लिए वह हिंदू धर्म अपनाकर राधा बनने को भी तैयार है। युवती ने अपने प्रेम को दर्शाते हुए पति के नाम का टैटू भी बनवाया है। इस संबंध में थाना अध्यक्ष उतराव पंकज कुमार त्रिपाठी का कहना है कि मामला संज्ञान में है पीड़िता युवती द्वारा लिखित रूप से आरोपी के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। मामले की जांच की जा रही है जांच में सही पाने पर कार्रवाई की जाएगी।

मानसिक रूप से बीमार युवती से दुष्कर्म,सामान लेने निकली पीड़िता को उसका पड़ोसी ही ले गया अपने घर, लोगों ने पकड़ा

प्रयागराज। कर्नलगंज थाना क्षेत्र में मानसिक रूप से बीमार एक युवती के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया

है। पीड़िता शुक्रवार की शाम घर का सामान लेने बाहर निकली थी। 31 वर्षीय अनुराग उर्फ कल्लू ने पीड़िता को अपने घर में ले जाकर दुष्कर्म किया। पीड़िता की चीखें सुनकर एक पड़ोसी महिला मौके पर पहुंची। उसने मोहल्ले के लोगों को बुलाया। स्थानीय लोगों ने भागने की कोशिश कर रहे आरोपी को पकड़ लिया।पीड़िता के परिजन आरोपी को लेकर थाने पहुंचे। थाना प्रभारी कर्नलगंज के अनुसार, पीड़िता के पिता की शिकायत पर आरोपी अनुराग के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। पीड़िता के पिता ने बताया कि उनकी बेटी का मानसिक बीमारी का इलाज चल रहा है। आरोपी पीड़िता के घर के पास ही रहता है।

शहर में होगा कवि प्रीमियर लीग का आयोजन, तीन दिवसीय आयोजन में जुटेंगे साहित्यकार, चिंतक और कविगण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। भारतीय साहित्य और संस्कृति के ऐतिहासिक क्षणों में एक राज्यपाल,वरिष्ठ नेता और समाजसेवी कलराज मिश्र,अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि वक्त और युवाओं के टेलिंग से भरपूर कार्यक्रम। प्रेस वार्ता की दौरान ललित फाउंडेशन के संस्थापक अमित शर्मा ने आयोजन

और स्वर्णिम अध्याय जुड़ने जा रहा है। ललित फाउंडेशन अपने भव्यतम आयोजन चतुर्थ राष्ट्रीय अधिवेशन 'अभिव्यंजना एवं कवि प्रीमियर लीग' का आयोजन 19 जुलाई से 21 जुलाई 2025 तक गौर सरोवर प्रीमियर, नोएडा एक्सटेंशन में कर रहा है। शुक्रवार को सेक्टर 29 स्थित नोएडा मीडिया क्लब में ललित फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने प्रेसवार्ता कर यह जानकारी साझा की,उन्होंने बताया की यह आयोजन साहित्य, कविता और सृजनशीलता को समर्पित भारत के सबसे अनूठे आयोजनों में से एक माना जा रहा है। विशिष्ट अतिथियों की रहेगी गरिमामयी उपस्थिति इस आयोजन की भव्यता और गरिमा को चार चाँद लगाने के लिए देश के महानतम साहित्यकार, चिंतक और कविगण एक साथ एक ही मंच पर उपस्थित हो रहे हैं। कई बड़े चेहरे मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे जिसमें पूर्व प्रेरणाश्रोत डॉ कुमार विश्वास,हास्य व्यंग के शिखर कवि पद्मश्री डॉक्टर अशोक चक्रधर, विश्व विख्यात हास्य कवि पद्मश्री डॉ सुरेंद्र शर्मा एवं वीर रस के अप्रतिम कवि डॉ हरिओम पवार आदि मौजूद रहेंगे। कवि प्रीमियर लीग में यह होगा ख़ास यह अधिवेशन केवल एक कवि सम्मेलन नहीं, बल्कि एक बहुआयामी साहित्यिक उत्सव है। कार्यक्रम के अंतर्गत निम्न प्रमुख आयोजन सम्मिलित होंगे: कवि प्रीमियर लीग - भारत का पहला काव्य मंच जहां कविता को खेल की स्पर्धा के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। अभिव्यंजना - कविता, गद्य, नाटक, गीत, लोककला एवं विचार विमर्श का साझा मंच। काव्य गोष्ठियाँ एवं संवाद सत्र - युवाओं, नवोदित रचनाकारों और प्रबुद्ध लेखकों के बीच सार्थक विमर्श।साहित्य सम्मान समारोह - विशिष्ट साहित्यसेवियों और रचनाकारों का सम्मान। बुक लॉन्च, पोस्टर प्रदर्शनी और लाइव स्टोरी की जानकारी देते हुए कहा की यह केवल एक साहित्यिक आयोजन नहीं, बल्कि यह विश्वस्तरीय साहित्यिक चेतना का नवप्रवर्तन है। 'अभिव्यंजना एवं कवि प्रीमियर लीग' साहित्य को जन-जन तक पहुँचाने का एक प्रभावशाली माध्यम बन चुका है। वहीं राष्ट्रीय अध्यक्ष कुशल कुशलेंद्र ने बताया की यह तीन दिवसीय यह अधिवेशन न केवल साहित्यकारों का, बल्कि हर संवेदनशील नागरिक का मंच है। यह साहित्य के प्रति समर्पण और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक बन चुका है। वहीं राष्ट्रीय महामंत्री पीयूष मालवीय ने कहा कि साहित्यकारों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का संदेश देने वाला यह विशेष आयोजन पूरे देश के साहित्यकारों के मध्य चर्चा का विषय बना हुआ है। कार्यक्रम में कला, साहित्य, खेल,राजनीति व पत्रकारिता जगत से जुड़ी कई हस्तियां होंगी शामिल।

जनपद न्यायाधीश पारिवार न्यायालय की अध्यक्षता में समिति द्वारा किया गया नशा उन्मूलन एवं पुनर्वास केन्द्र रायबरेली का निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा

प्राधिकरण, लखनऊ तथा माननीय जनपद न्यायाधीश परिवार न्यायालय अनुपमा गोपाल निगम के दिशा-निर्देशन में नशा उन्मूलन एवं जागरुकता हेतु गठित समिति के द्वारा नशा उन्मूलन एवं पुनर्वास केन्द्र रायबरेली का निरीक्षण गुरुवार को किया गया।प्रबन्धक बसन्तलाल के द्वारा बताया गया कि वर्तमान में 9 मरीज भर्ती है, जिनका उपचार किया जा रहा है। समिति द्वारा पूछने पर बताया गया कि नशे के अधिक मरीज अमावाँ व बालापुर की तरफ अधिक रहते है। समिति द्वारा सभी 9 मरीजों के मिलकर उनका स्वास्थ्य एवं उनको मिल रही सुविधाओं के सम्बन्ध में जानकारी ली गयी। समिति द्वारा प्रबन्धक को निर्देशित किया गया कि आवासित मरीजों के उपचार में किसी प्रकार की समस्या आने पर वह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली को उक्त समस्या से अविलम्ब अवगत कराना सुनिश्चित करेंगें। निरीक्षण के दौरान अनुपम शौर्य, अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व डा0 शरद कुमार उप जिला कुष्ठ अधिकारी, रायबरेली, डा0 शिवेन्द्र प्रताप सिंह, औषधि निरीक्षक, रायबरेली उपस्थित रहे।

आम जनता के प्रति सेवाभाव रखने वाले व्यक्ति 26 जुलाई तक कर सकते हैं आवेदन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली व उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा मा0 अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश रायबरेली के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली के द्वारा समाज के निम्नतम व्यक्ति/ अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के सदस्य, अनैतिक, अत्याचार के शिकार लोग या ऐसे लोग जिनसे बेगार कराया जाता है, महिलाएं एवं बच्चे, मानसिक रोगी एवं दिव्यांग, अनपेक्षित अभाव जैसे बहुविनाश, जातीय हिंसा, बाढ़, सूखा, भूकम्प या औद्योगिक विनाश की दशाओं के अधीन सताये हुए व्यक्ति या शहीद सैनिक के आश्रित, औद्योगिक श्रमिक, किशोर, कारागार, मनोचिकित्सक अस्पताल या मनोचिकित्सकीय परिचार्यगृह में अभिरक्षा में रखे गये व्यक्ति, समाज के प्रत्येक वर्ग का प्रतिनिधित्व एवं हर जरुरतमंद एवं पात्र व्यक्तियों तक विधिक जागरुकता एवं विधिक सहायता कार्यक्रमों की पहुँच सुनिश्चित कराने व ऐसे सभी व्यक्ति जिनकी वार्षिक आय तीन लाख रुपये से कम हो को विधिक सहायता व न्याय दिलाने हेतु पराविधिक स्वयंसेवकों (ईंर्थुतन्द्दतल्हूी) की नियुक्ति एक वर्ष के लिए की जानी है। निःशुल्क विधिक सहायता हेतु विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिनियम, 1987 की धारा 9(3) के अधीन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली में पराविधिक स्वयं सेवकों का चयन जिले स्तर एवं तहसील स्तर पर किया जाना है। आवेदक एवं पूर्व पराविधिक स्वयं सेवक भी अपना चयन/पुर्नचयन हेतु अपना आवेदन पत्र मा0 जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायबरेली को सम्बोधित करते हुए फोटो युक्त बायोडाटा सहित आवेदन करें। आवेदन पत्र किये जाने का प्रारुप इस कार्यालय के नोटिस बोर्ड एवं जिला जजी के नोटिस बोर्ड पर चस्पा किया गया है। आवेदन करने से पूर्व चयन हेतु नालसा की उक्त योजना में चयन प्रावधानों का सम्पूर्ण अध्ययन करें। इच्छुक व स्थानीय व्यक्ति जो निःशुल्क योगदान/समाज सेवा हेतु तैयार हो, आम जनता के प्रति सेवाभाव रखने वाले व्यक्ति, अपना आवेदन निर्धारित प्रारुप पर भरकर कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ए0डी0आर0 सेन्टर छजलापुर, रायबरेली में स्वयं उपस्थित होकर/डाक द्वाराअन्तिम नियत तिथि 26 जुलाई 2025 तक वाँछित अभिलेखों के साथ कार्यालय में जमा कर सकते है।

मैहर म्यूजिक अटाला आर्ट सिटी द्वारा आयोजित शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम छठवीं प्रस्तुति 14 वी प्रस्तुति शुक्रवार दिनांक 1 अगस्त 2025 को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। मां शारदा की पावन नगरी एवं संगीत संम्राट पद्म विभूषण बाबा अलाउद्दीन खाँ साहब की साधना स्थली मैहर में शास्त्रीय संगीत के उभरते हुये नवोदित कलाकारों कों मंच देने का कार्य जिला प्रशासन के सहयोग से मैहर म्यूजिक अटाला आर्ट सिटी, MAIHAR MUSIC ÅTALÅ ÅRT CITY (MAA) के तत्वाधान में 01 जुलाई 2024 दिन सोमवार से प्रारंभ किया गया था। जिसकी चौदहवीं प्रस्तुति मैहर म्यूजिक 1 अगस्त 25 दिन शुक्रवार शासकीय संगीत महाविद्यालय परिसरङ में सायं काल 7:00 बजे से 9:00 बजे तक संपन्न होगी। शास्त्रीय संगीत के इस कार्यक्रम में शास्त्रीय गायन, वादन एवं नृत्य के कलाकार अपनी प्रस्तुती

दे सकेंगे। साथ में अटाला आर्ट के तहत घर की अनउपयोगी वस्तुओं से निर्मित कलाकृति की प्रदर्शनी भी शासकीय संगीत कॉलेज परिसर में लगाई जाएगी। इस हेतु कलाकार अपने आवेदन बायोडाटा के साथ दिनांक 25 जुलाई 2025 तक संगीत महाविद्यालय मैहर में प्रभारी श्री अनिल कुमार जायसवाल, सहायक व्याख्याता (मोबा. 7987274350) के पास जमा कर सकते हैं। जिन कलाकारों की प्रस्तुतियां हो चुकी हैं, वह भी नए सिरे से कुछ नए संकलन के साथ पुनः आवेदन करने के पात्र होंगे, मैहर घराने को जीवंत बनाने एवं विद्या की देवी माँ शारदा की नगरी को संगीत मय बनाने हेतु जिला प्रशासन की अनूठी पहल पर उक्त शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम का आयोजन प्रत्येक माह की 01 तारीख को किया जा रहा है । शास्त्रीय संगीत के इस नियमित मासिक कार्यक्रम के अवसर पर नवोदित कलाकारों के उत्साह वर्धन हेतु आप कला प्रेमी रसिक जन ईस्ट मित्रों के साथ सादर आमंत्रित है।

एडीएम (वि/रा) ने कर-करेत्तर व राजस्व के कार्यो की समीक्षा कर राजस्व वसूली में तेजी लाने के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। गुरूवार अपर जिलाधिकारी (वि/रा) अमृता सिंह की अध्यक्षता में कर करेत्तर, राजस्व वसूली व निर्धारित एजेंडा बिंदुओं के कार्यो की प्रगति की समीक्षा कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। उन्होंने विद्युत, बाट माप, परिवहन, आबकारी, वाणिज्य, नगर निकाय, सिंचाई, वन, व्यापार कर, खनन, स्टाम्प, नगर निकाय सहित अन्य विभागों के राजस्व वसूली के कार्यों की समीक्षा की तथा कम वसूली करने वाले विभागों को प्रगति लाने के निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी (वि/रा) ने सभी सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि समयबद्ध लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाए। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे लक्ष्य के अनुरूप वसूली की प्रगति बढ़ाएं, इसमें सभी विभाग बेहतर प्रयास कर अपने निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित कराए। बैठक में अपर जिलाधिकारी(प्र) सिद्धार्थ, सिटी मजिस्ट्रेट रामअवतार सहित समस्त उप जिलाधिकारी एवं अन्य विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण कार्यक्रम में बदलाव, संशोधित समय सारणी के अनुसार पुनरीक्षण का कार्य कराया जाए पूर्ण : हर्षिता माथुर

19 अगस्त से 29 सितम्बर तक बी0एल0ओ0 घर-घर जाकर करेंगे गणना व सर्वे का कार्य : डीएम,15 जनवरी 2026 को निर्वाचक नामावलियों का जनसामान्य के लिए होगा अन्तिम प्रकाशन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मा0 राज्य निर्वाचन आयोग, उ0प्र0, लखनऊ की

अधिसूचना (संशोधन) के क्रम में जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) हर्षिता माथुर ने निर्देश दिये है कि जनपद में त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली का संशोधित समय सारिणी के अनुसार वृहद पुनरीक्षण किया जायेगा। संशोधित तिथि के अनुसार 18 जुलाई से 18 अगस्त 2025 तक किसी ग्राम पंचायत के आंशिक भाग के अन्य ग्राम पंचायत अथवा नगरीय निकाय में समाहित होने की स्थिति में विलोपन एवं मतदाता सूची के प्रिंट करने की कार्यवाही बी0एल0ओ0 एवं पर्यवेक्षकों को उनके कार्य क्षेत्र का आवंटन। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) हर्षिता माथुर ने बताया है कि 19 अगस्त से 29 सितम्बर तक जनपद स्तर पर बी0एल0ओ0 द्वारा घर-घर जाकर गणना और सर्वेक्षण। 19 अगस्त से 22 सितम्बर तक ऑनलाइन आवेदन, 23 सितम्बर से 29 सितम्बर तक ऑनलाइन प्राप्त आवेदन पत्रों की घर-घर जाकर जांच। 30 सितम्बर से 06 अक्टूबर तक निर्वाचक गणना पत्रक के आधार पर परिवर्धन, संशोधन एवं विलोपन को तैयार करना। 07 अक्टूबर से 24 नवम्बर तक ड्राफ्ट नामावलियों की कम्प्यूटरीकृत पाण्डुलिपि तैयार करना। 25 नवम्बर से 04 दिसम्बर तक निर्वाचक नामावलियों के कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्र/स्थलों का क्रमांकन, मतदाता क्रमांकन, मतदेय स्थलों के वार्डो की मैपिंग। 05 दिसम्बर 2025 अनन्तिम मतदाता सूची के आलेख का प्रकाशन निर्धारित है। 6 दिसम्बर से 12 दिसम्बर 2025 तक आलेख्य के रूप में प्रकाशित अनन्तिम मतदाता सूची का निरीक्षण एवं दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करना। 13 दिसंबर से 19 दिसम्बर तक दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण। 20 दिसम्बर से 23 दिसम्बर तक दावे/आपत्तियों के निस्तारण के उपरान्त हस्तलिखित पांडुलिपि तैयार करना। 24 दिसम्बर से 08 जनवरी 2026 तक दावे और आपत्तियों के निस्तारण के उपरान्त पूरक सूचियों की कम्प्यूटरीकरण की तैयारी एवं उन्हें मूल सूची में यथा स्थल समाहित करने की कार्यवाही। 09 जनवरी से 14 जनवरी तक पूरक सूचियों के कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्र/स्थलों का क्रमांकन, मतदाता क्रमांकन, मतदेय स्थलों के वार्डों की मैपिंग। 15 जनवरी 2026 को निर्वाचक नामावलियों का जनसामान्य के लिए अन्तिम प्रकाशन। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) ने निर्देश दिये है कि निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) एवं समस्त उपजिलाधिकारी/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जनपद रायबरेली एवं समस्त खण्ड विकास अधिकारी/समन्वयक अधिकारी द्वारा अपने क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा तथा सार्वजनिक जानकारी हेतु समस्त सम्बन्धित कार्यालयों के सूचना पट्ट पर भी यह कार्यक्रम प्रदर्शित किया जाएगा। निर्धारित समय सारणी के अनुसार निर्वाचक नामावली के वृहद् पुनरीक्षण के दौरान पड़ने वाले सार्वजनिक अवकाश दिवसों में सम्बन्धित कार्यालय खुले रहेंगे तथा निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण का कार्य पूर्ण कराया जायेगा। किसी भी परिस्थिति में समय सीमा नहीं बढ़ायी जाएगी।

24 जुलाई को आईटीआई गोरा बाजार में रोजगार मेला साक्षात्कार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गोरा बाजार रायबरेली में 24 जुलाई 2025 को रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें टाटा मोटर्स लखनऊ एवं पंतनगर उत्तराखंड के लिए अप्रेंटिसशिप एवं टेंपरेरी ऑपरेटर के लिए 400 पदों पर भर्ती होगी। इस मेले में व्यवसाय फिटर, मोटर मैकेनिक,वेल्डर, टर्नर, मशीनिस्ट, इलेक्ट्रिशियन, वायरमैन, टूल एंड डाई मेकर, मैकेनिक कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक, आर0 ए0 सी0, कोपा,मशिनिष्ट, शीट मेटल वर्कर,ट्रेक्टर मैकेनिक, इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक, इलेक्ट्रिकल वाईन्डर, मैकेनिक मशीन टूल मेंटिनेंस, पॉवर इलेक्ट्रिशियन, मैकेनिक डीजल, मैकेनिक ऑटो इलेक्ट्रॉनिक्स, मेकेनिक ऑटो इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक से उतीर्ण व अन्य ट्रेडों के अभ्यर्थी जिनकी उम्र सीमा अप्रेंटिस हेतु 18 से 25 वर्ष, है और वेतन 13480/- रुपये प्रतिमाह देय है। टेम्पररी ऑपरेटर हेतु उम्र 18-32 वर्ष वेतन 14827/- रुपये प्रतिमाह देय है। साथ मे कैंटीन की सुविधा वर्दी जूता मुफ्त में देय है। इच्छुक अभ्यर्थी अपना संक्षिप्त बायोडाटा सभी अंक पत्रों एवं तकनीकी प्रमाण पत्रों की छाया प्रति आधार कार्ड,बैंक पासबुक की फोटोकॉपी, पुलिस सत्यापन रिपोर्ट, (यदि उपलब्ध है तो) लेकर प्रातः 09:00 बजे से 3:00 बजे तक सम्मिलित हो सकते हैं चयन प्रक्रिया लिखित व साक्षात्कार के माध्यम से होगा। यह जानकारी राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गोरा बाजार रायबरेली के प्रधानाचार्य विवेक कुमार तिवारी द्वारा दी गयी है।

बाल साहित्य सम्मान के लिए करें आवेदन, अन्तिम तिथि 18 अगस्त

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान

द्वारा बाल साहित्य संबर्द्धन योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए दिये जाने वाले दस बाल साहित्य सम्मानों- सुभद्रा कुमारी चौहान महिला बाल साहित्य सम्मान, सोहन लाल द्विवेदी बाल कविता सम्मान, निरंकार देव सेवक बाल साहित्य इतिहास लेखन सम्मान, अमृतलाल नागर बाल कथा सम्मान, शिक्षार्थी बाल चित्रकला सम्मान, लल्ली प्रसाद पाण्डेय बाल साहित्य पत्रकारिता सम्मान, डॉ. रामकुमार वर्मा बाल नाटक सम्मान, आचार्य कृष्ण विनायक फड़के बाल साहित्य समीक्षा सम्मान, जगपति चतुर्वेदी बाल विज्ञान लेखन सम्मान तथा उमाकान्त मालवीय युवा बाल साहित्य सम्मान के लिए साहित्यकारों/विद्वानों का चयन किया जाना है। उक्त सम्मानों के लिए साहित्यकारों/विद्वानों की संस्तुतिकर्ता का स्पष्ट नाम, जन्म तिथि, पता, दूरभाष सहित तथा जिसके नाम की संस्तुति की जा रही है, उसका जीवनवृत्त संस्तुति प्रपत्र के साथ संलग्न होना अनिवार्य है। प्रत्येक सम्मान की धनराशि इक्यावन हजार होगी।उपर्युक्त बाल साहित्य सम्मानों हेतु संस्तुतियाँ "बाल साहित्य सम्मान" सम्बन्धी शीर्षक से निदेशक, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ-226001 को भेजी जायेगी, जिसकी अंतिम तिथि 18 अगस्त, 2025 है। उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान 'बाल साहित्य सम्मान नियमावली, 2015' संस्तुति प्रपत्र तथा सम्मानों से सम्बन्धित अन्य जानकारी संस्थान की वेबसाइट www.uphindisansthan.in पर उपलब्ध है और उसमें उपर्युक्त निर्धारित प्रपत्र भी उपलब्ध है, जिन्हें डाउनलोड किया जा सकता है। सम्मानों हेतु संस्तुतियों व्यक्तिगत रूप से डाक द्वारा मूल रूप में हस्ताक्षर सहित संस्थान को भेजनी होगी।

जैसीनगर जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत जोरा में हो रहे तालाब निर्माण कार्य को लेकर कलेक्टर को दिया पत्र, उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

शहडोल। जयसिंहनगर जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत जोरा में खनिज प्रतिष्ठान मद से 25 लाख रुपए की लागत से तालाब निर्माण कार्य की जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई और राशि वापस कराने के लिए कलेक्टर को दिया गया पत्र, दरअसल जनपद पंचायत जयसिंहनगर के ग्राम पंचायत जोरा में 25 लाख रुपए की लागत से नवीन तालाब निर्माण कार्य देवलीहान टोला में स्वीकृत हुआ है जिसे सचिव शीतला तिवारी ने ऑफलाइन ठेकेदार विनय तिवारी जो आपस में रिश्तेदार हैं उन्हीं से निर्माण कार्य करवाया जा रहा है। जिसमें इंजीनियर एसडीओ सीईओ सभी की सांठ गांठ से भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है ऐसा उन्हों ने पत्र में उल्लेख किया है साथ ही उन्होंने बताया कि खसरा नंबर 151 में एसडीओ साहब के द्वारा दिनांक 28 4.2025 को तकनीकी स्वीकृत प्रदाय की गई, जिसमें कुल रकवा 71 डिसमिल मात्र है फिर इंजीनियर साहब को जहां सचिव एवं ठेकेदार ने बताया वहां खसरा नंबर 155 है जिसमें किसानों की भी भूमि है। वहां पर इंजीनियर साहब के द्वारा ले आउट भी दिया गया है इन सब बातों को जानते हुए भी सीईओ जयसिंहनगर के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई जिसमें ठेकेदार विनय तिवारी और सचिव शीतला तिवारी के हौसले बुलंद है।सरपंच द्वारा मौखिक बताया गया की खसरा नंबर 151 और खसरा नंबर 155 की दूरी 2 किलोमीटर है तालाब निर्माण कार्य खसरा नंबर 155 में किसानों द्वारा बनाए गए छोटे तालाब के मेड में ही रात को जेसीबी ट्रैक्टर लगाकर मेंढ़ की ऊंचाई बढ़ा दी गई. वहां पर पटल की खुदाई भी नहीं की गई, तालाब निर्माण कार्य से एमपी आरडीसी की सड़क भी प्रभावित हुई है क्योंकि सड़क को ठेकेदार द्वारा अपनी मेड मान ली गई आए दिन वहां पर हादसे हो रहे हैं क्योंकि वहां पर अंधा मोड़ है जिससे राहगीर टूटी हुई सड़क में अनबैलेंस होकर तालाब में गिर रहे हैं जहां तालाब का निर्माण कर चल रहा है वहां तालाब की कोई जरूरत नहीं थी क्योंकि उसके नीचे नदी लगी हुई है मौके में किसी किसानों के द्वारा तालाब की मांग नहीं की गई उनके नाम की फर्जी सूची तैयार की गई जिसमें ग्रामीणों में आक्रोश का माहौल है। उक्त बिंदुओं की जांच कर आवश्यक कार्य करने की मांग की गई है।

एसपी-सीडीओ ने तहसील दिवस में सुनी लोगों की शिकायतें, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश,कुल 38 शिकायतें आयीं,सात का तत्काल निस्तारण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सीडीओ अर्पित

उपाध्याय एवं पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह ने तहसील सलोन में संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर लोगों की समस्याएं सुनीं। उनके सामने राजस्व विभाग से 21,पुलिस 05,विकास 06,नलकूप 01,सिचाई 01,पूर्ति विभाग 04 सहित कुल 38 शिकायतें आयीं।जिनमें से सात शिकायत का तत्काल निस्तारण करा दिया गया। अवशेष प्रकरण को संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए निर्देश दिया कि लोगों की समस्याओं का शीघ्र निस्तारण कराया जाए। इनमें किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भूमि संबंधी विवादों में पूरी तरह सक्रियता बरती जाए और अगर कोई विवादित शिकायत है तो पुलिस प्रशासनिक संयुक्त टीम मौके पर भेज कर उस समस्या की जांच कर उसका समाधान कराया जाए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश गौतम, क्षेत्राधिकार यदुवेंद्र बहादुर पाल, जिला स्तरीय अधिकारी, सलोन तहसीलदार, नायब तहसीलदार व तहसील प्रशासन के कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

हाथरस थाना प्रभारी ममता सिंह की सराहनीय सेवा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

हाथरस। सावन के पवित्र महीने में हाथरस थाना प्रभारी ममता सिंह ने श्रद्धालुओं की सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ी। उनकी निष्ठा और सेवा भावना ने श्रद्धालुओं का दिल जीत लिया। ममता सिंह ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा का विशेष ध्यान रखा, जिससे वे अपने धार्मिक कर्तव्यों को पूरा कर सकें।प्रभारी महोदय ने खुद हैवी लोड वाहनों को डायवर्ट कर ट्रैफिक को सुगम बनाया जिसे कोई परेशानी न हो।

निष्पक्ष और निष्ठावान सेवा- ममता सिंह की इस सराहनीय सेवा के लिए उन्हें बधाई दी जा रही है। उनकी ड्यूटी ने श्रद्धालुओं के बीच एक सकारात्मक संदेश फैलाया है।

सांसद एवं विधायक ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत किया पौधरोपण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) म.प्र/शहडोल। प्रदेश सरकार द्वारा पर्यावरण को हरा भरा बनाने के उद्देश्य प्रवेश भर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान 30 जुलाई 2025 तक चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जनप्रतिनिधियों,प्रशासनिक अधिकारियों,समाज सेवी, व आमजनों द्वारा पौधारोपण का कार्य किया जा रहा है। पेड़ पौधे न केवल हमारे जीवन का आधार हैं, बल्कि पर्यावरण को संतुलित रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। पेड़ पौधे हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, भूमि के कटाव को रोकते हैं और जीव-जंतुओं का आश्रय स्थल भी होते हैं।

पौधरोपण से वर्षा में वृद्धि, तापमान में कमी और हरियाली के साथ-साथ प्राकृतिक सौंदर्य में भी इजाफा होता है। 'एक पेड़ मां के नाम'अभियान के तहत जनपद पंचायत जयसिंहनगर के ग्राम गधियां स्थित सीतामढ़ी राम पथ वन गमन धाम में सांसद संसदीय क्षेत्र सीधी डॉ. राजेश मिश्रा, विधायक श्री शरद कोल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रभा मिश्रा, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती प्रगति वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों अधिकारियों व नागरिकों ने पर्यावरण को हरा-भरा बनाने के लिए पौधारोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

प्रयागराज नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में व्यावहारिक परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में हाल ही में व्यावहारिक परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें प्रशिक्षुओं ने अपने कौशल और ज्ञान का प्रदर्शन किया। केंद्र के अधिकारियों और प्रशिक्षकों की मेहनत से परीक्षा सुचारु रूप से संपन्न हुई।आत्मविश्वास और रोजगार के अवसर- परीक्षा के सफल आयोजन से प्रशिक्षुओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और उन्हें उद्योगों में रोजगार के अवसर प्राप्त करने में मदद मिलेगी। केंद्र के प्रयासों से युवाओं को कुशल बनाने और उन्हें रोजगार के योग्य बनाने में मदद मिल रही है।

नागरिकता पर सभी दलों को स्वस्थ बहस की जरूरत है

बिहार में वोटर लिस्ट पर हंगामे के बाद चंद्रबाबू नायडू ने आंध्र प्रदेश और दूसरे राज्यों में चुनावों से काफी पहले वैज्ञानिक तरीके से सत्यापन प्रक्रिया पूरी करने की मांग की है। दूसरी ओर हिमंत बिस्वा सरमा ने एनआरसी का राग छेड़कर संवैधानिक मामले में सियासी पेचीदगी बढ़ा दी है। पश्चिम में नागरिकता के कठोर नियम हैं, लेकिन भारत में नागरिकता का मसला संसदीय विफलता, सत्ता की सियासत और प्रशासनिक भ्रष्टाचार की बलि चढ़ रहा है। नागरिकता से जुड़े 6 बिंदुओं पर सभी दलों को स्वस्थ बहस की जरूरत है। 1. एनआरसी : 1951 की जनगणना के अनुसार पहला राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) बना, लेकिन उसके बाद अपडेट नहीं हो पाया। नागरिकता कानून के अनुसार 2003 में एनआरसी के संशोधनों को लागू करने की मुहिम 2019 में सुप्रीम कोर्ट के ठंडे बस्ते में चली गई। असम समझौते को लागू करने के लिए नागरिकता कानून में जोड़ी गई धारा 6-ए को सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने पिछले साल वैध करार दिया। बिहार में वोटर लिस्ट का सत्यापन चुनावों के पहले कराने पर सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को नसीहत तो दी है, पर नागरिकता से जुड़े अनेक लम्बित मामलों की सुनवाई और फैसले के लिए सुप्रीम कोर्ट में कई सालों से संविधान पीठ का गठन ही नहीं हुआ है।2. एनपीआर : जनसंख्या का कानून 1948 में बना, लेकिन राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) के लिए 2003 में जाकर नियम बने। उसके अनुसार भारत के सभी सामान्य निवासियों के लिए एनपीआर में रजिस्ट्रेशन जरूरी है। 2010 में पहला एनपीआर तैयार होने के पांच साल बाद उसे अपडेट किया गया था। लेकिन आधार कार्ड की तरह एनपीआर में विवरण होना नागरिकता का आधिकारिक सबूत नहीं है। 3. सीएए : नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को दिसम्बर 2019 में मंजूरी मिली। उसके अनुसार पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से गैर-मुस्लिम धार्मिक अल्पसंख्यक शरणार्थियों को भारत की नागरिकता मिल सकती है। उस कानून के अनुसार शरणार्थियों को नागरिकता लेने के लिए भारत में निवास के प्रमाण के तौर पर 20 तरह के दस्तावेजों में से एक और पड़ोसी देश के निवास के प्रमाण के तौर पर 9 में से एक दस्तावेज को देने की जरूरत है। सीएए और रोहिंग्या शरणार्थियों जैसे मामले सुप्रीम कोर्ट में सालों से लम्बित हैं। इसलिए वोटर लिस्ट में पहचान के बावजूद विदेशी लोगों के ?खिलाफ निर्वासन की कार्रवाई के लिए गृह मंत्रालय को एक्शन लेना होगा। 4. आधार : सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त 2015 में कहा था कि आधार कार्ड के जरूरी नहीं होने के बारे में भारत सरकार बड़े पैमाने पर मीडिया में प्रचार करे। लेकिन कोर्ट के अनेक आदेशों और अंतिम फैसले को धता बताकर सरकार ने पिछले दरवाजे से आधार को जरूरी बना दिया। अभी बिहार में आधार को मान्यता देने की मांग करने वाली पार्टियां वोटर कार्ड को आधार से लिंक करने का विरोध कर रही हैं। दो साल पहले सुप्रीम कोर्ट में दिए शपथ-पत्र के अनुसार फार्म-6 बी के लिए आधार जरूरी नहीं है। इसके बावजूद चुनाव आयोग ने 66.23 करोड़ वोटरों का आधार क्रमांक एकत्रित कर लिया है। लंबी नींद से जागने के बाद सरकार ने सख्ती बढ़ाई है। लेकिन जांच के बगैर निजी एजेंसियों द्वारा जारी करोड़ों आधार अब सरकार के साथ चुनाव आयोग के गले की हड्डी बन गए हैं। 5. नागरिकता : सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसले के अनुसार वोटर लिस्ट की आड़ में चुनाव आयोग नागरिकता की पड़ताल नहीं कर सकता। एनआरसी और नागरिकता का मामला केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन आता है। लेकिन अनुच्छेद-326 के अनुसार 18 से ऊपर के नागरिकों का नाम वोटर लिस्ट में शामिल करने के बारे में चुनाव आयोग को संविधान से संपूर्ण अधिकार हासिल हैं। इसीलिए आधार और ड्राइविंग लाइसेंस के लिए मंजूरी के बावजूद फर्जीवाड़े वाले राशन कार्ड की मान्यता मुश्किल है। 6. वोटर लिस्ट : बिहार में 1फीसदी वोटों के फेरबदल से सरकार का गणित बदल गया था। इसलिए भ्रष्ट तरीके से वोटर लिस्ट में गलत नाम शामिल करवाना या सही वोटरों का नाम हटाना, दोनों गलत हैं। राज्य सरकारों के स्थानीय प्रशासन की मनमर्जी और भ्रष्टाचार को सख्ती से नियंत्रित करके आयोग अपनी साख बढ़ा सकता है। स्वतंत्र, पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से वोटर लिस्ट का शुद्धिकरण आयोग की संवैधानिक जिम्मेदारी है। राज्य सरकारों के स्थानीय प्रशासन की मनमर्जी और भ्रष्टाचार को सख्ती से नियंत्रित करके आयोग अपनी साख बढ़ा सकता है। स्वतंत्र, पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से वोटर लिस्ट का शुद्धिकरण आयोग की संवैधानिक जिम्मेदारी है। (ये लेखक के अपने विचार हैं विराग गुप्ता)

क्यों हमारा कम्युनिकेशन फेल होकर विवाद तक पहुंच जाता है?

'वाइन के लिए मैं भुगतान क्यों करूं?' फुटपाथ पर बने एक रेस्तरां में बहस में तब्दील हो चुकी बातचीत के एक वाक्य ने मेरा और कइयों का ध्यान खींचा। मैं और मेरा परिवार, टीवी सीरीज 'फ्रेंड्स' में अक्सर दिखाई जाने वाली उस 'एल-शेप' की इमारत के नीचे इंतजार कर रहे थे, जहां फ्रेंड्स के किरदारों के अपार्टमेंट हैं। इसके ग्राउंड फ्लोर पर मशहूर 'द लिटिल आउल' मेडिटेरेनियन रेस्तरां है, जिसने एक तरफ के पूरे फुटपाथ को घेर रखा है। न्यूयॉर्क के ग्रीनविच विलेज इलाके के बीच 90 बेडफोर्ड स्ट्रीट पर ये रेस्तरां है। यहां ऐसे कई रेस्तरां हैं, पर इस गली में ये पर्यटकों-स्थानीय लोगों में सर्वाधिक पसंद किया जाने वाला-महंगा रेस्तरां है। यहां तक कि जो लोग खाना नहीं खा रहे होते हैं वो अपनी बारी का इंतजार करते वक्त इमारत के आगे खड़े होकर सेल्फी लेते हैं। इसी वजह से उस ग्राहक व वेटर की बहस सुनी जा सकती थी। बहस की कहानी कुछ इस तरह है। उस अकेले ग्राहक ने भारी-भरकम वन मील मंगवाया। 'स्टीक' नामक इस फूड को दुनिया के उस हिस्से में अक्सर खाते हैं। कई लोगों ने इस डिश को लकड़ी की प्लेट में देखा होगा, जिसमें से धुआं निकलता है और 'तड़के' जैसी आवाज आती है। खासतौर पर इस डिश में काम आने वाली लकड़ी की प्लेट प्राकृतिक, देहाती और कभी-कभी बेहद शानदार लुक देती है, जिससे इसकी प्रस्तुति और बेहतर हो जाती है। इस डिश के साथ समस्या ये है कि कुछ लोग इसके अंदर मीट को पूरी तरह भुना हुआ पसंद करते हैं। और कुछ को ये लाल रंग का पसंद होता है, यानी कम भुना या तला हुआ। इस ग्राहक के टेबल पर लाई डिश अधिक भुनी थी। इसलिए उसने इसे लेने से मना कर दिया। ऑर्डर लेने वाले वेटर ने शेफ की गलती स्वीकार की, डिश को रसोई में भेजा और उनसे दूसरी डिश बनाने के लिए कहा। जाहिर है कि ग्राहक नाराज था। रेस्तरां का कैप्टन इस तीखी बहस को देख रहा था तो उसने वेटर से कोड वर्ड में कहा 'पीपीएनएल'।(पॉसिबल प्रॉब्लम, नीड्स लव) रेस्तरां की भाषा में इसका अर्थ है कि 'दिक्कत आ सकती है, प्यार से मामला संभालें।' मतलब यह हुआ कि 'ग्राहक परेशान या भूखा है और गुस्सा भी हो सकता है। इसलिए स्थिति बिगड़ने से पहले जाओ और उसे शांत करो।' वेटर ने जाकर पूछा कि 'सर, जब तक आप डिश के दोबारा तैयार होने का इंतजार कर रहे हो, मैं आपके लिए क्या परोस सकता हूं?' ग्राहक ने कहा 'वाइन' और उसे वही परोस दी गई। यहां आखिरी लाइन में पेंच है। वेटर की बात सुनकर ग्राहक ने सोचा कि रेस्तरां उसे मुफ्त में वाइन की पेशकश कर रहा है, क्योंकि यह उनकी गलती है कि उसे दोगुने समय इंतजार करना पड़ा। इधर, वेटर को लगा कि ग्राहक सहयोग कर रहा है और नई चीज ऑर्डर कर रहा है। इसीलिए रेस्तरां ने कॉम्प्लिमेंट्री डेजर्ट भेजा और बाद में जो बिल भेजा गया, उसमें वाइन का पैसा भी जोड़ दिया गया था। इसी बात पर विवाद शुरू हुआ, जिसने मेरी तरह वहां से गुजरने वालों का ध्यान खींचा।

संचार (कम्युनिकेशन) तभी सफल होता है जब ग्रहणकर्ता यानी परसीवर उसे समझता है। याद रखें, मैं प्राप्तकर्ता यानी रिसीवर नहीं कह रहा हूं। मैं परसीवर कह रहा हूं। क्यों? क्योंकि रिसीवर अक्सर संदेश को अपनी बुद्धि और समझ के आधार पर परसीव करता है, जिसे संदेशवाहक के सुर, शब्दों का चुनाव और चेहरे के भावों द्वारा अनजाने में ही नियंत्रित या प्रेरित किया जा सकता है। इसका संदेशवाहक की बुद्धि से कोई लेना-देना नहीं है। यहां संचार की सफलता का रहस्य है।

किसी भी संचार के लिए वैज्ञानिक फॉर्मूला कुछ इस प्रकार होता है... मैसेंजर-मैसेज-मोड और परसीवर। यदि परसीवर ने संचार के उद्देश्य और निहितार्थ को नहीं समझा, तो कोई भी संचार कभी पूरा नहीं हो सकता। फंडा यह है कि यदि आप किसी को कोई सूचना भेजना चाहते हैं तो अपनी सूचना का अभ्यास नीचे से ऊपर की ओर करिए। कल्पना करना शुरू कीजिए कि प्राप्त करने वाला इसे सुनने के बाद कैसे ग्रहण करेगा।

फिर माध्यम चुनिए, फिर संदेश बनाएं और तब संदेशवाहक का चयन करें। देखिए, यह कैसे आपके संचार में जादू कर देगा।एन. रघुरामन

मानसून सत्र में सवालों से बचने की कोई सूरत नहीं

संसद का मानसून सत्र अगले सप्ताह शुरू हो रहा है। इसकी तारीखों का ऐलान 45 दिन पहले ही हो गया था, जबकि अमूमन यह 18 से 20 दिन पहले होता है। समय से इतना पहले तारीखों की घोषणा का कारण स्पष्ट है। सरकार संसद के विशेष सत्र से बचना चाहती है और लोकसभा व राज्यसभा में ऐसी चर्चा को टालना चाहती है, जिसमें उसे पहलगाम, पुंछ, राजौरी पर तीखे सवालों का जवाब देना पड़ेगा। दिसंबर 2023 के बाद से ही सरकार विपक्ष द्वारा प्रस्तावित एक भी चर्चा को अनुमति देने से बचती रही है। ऐसे में 21 दिन के आगामी सत्र से हम क्या अपेक्षा करें? इस सत्र में संसद के दोनों सदनों में 21-21 घंटों के प्रश्नोत्तर सत्र होंगे और सवालों से बचने की कोई सूरत नहीं है। दोनों सदनों में प्रतिदिन एक घंटे का प्रश्नकाल मंत्रियों की जवाबदेही तय करेगा। उन्हें उत्तर देना ही होंगे, फिर चाहे वे तारांकित सवालों के मौखिक जवाब हों या अतारांकित के लिखित जवाब। संसद में हर दिन औसतन नौ सवालों के जवाब मौखिक दिए जाते हैं, जबकि 400 से अधिक के लिखित उत्तर प्राप्त होते हैं। चूंकि बीते डेढ़ वर्षों से महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के नोटिसों को सरकार ने स्वीकार नहीं किया है, इसलिए सिर्फ प्रश्नकाल ही इकलौता ऐसा उपकरण रह जाता है, जिसकी मदद से हमारे संसदीय लोकतंत्र के तहत सरकार को जवाबदेह ठहराया जा सकता है। यहां 2025 के बजट सत्र में पूछे गए कुछ प्रश्न प्रस्तुत किए जा रहे हैं, जिनमें से प्रत्येक में सरकार द्वारा दिया गया जवाब एक कहानी बयान करता है। 1. अटल पेंशन : मल्लिकार्जुन खरगे के सवाल के जवाब में खुलासा हुआ कि योजना की शुरुआत से अब तक 1.11 करोड़ खाते बंद हो चुके हैं। 1 अक्टूबर 2022 से नियमों में संशोधन कर आयकरदाताओं को योजना के लिए अपात्र कर दिया गया। 2. पीएम इंटर्नशिप योजना : टीएमसी के प्रकाश चिक बराइक के सवाल से खुलासा हुआ कि योजना के पहले चरण में विज्ञापित 1.27 लाख अवसरों में से महज 28 हजार 141 आवेदकों ने इंटर्नशिप स्वीकारी। 3. उड़ान योजना : प्रियंका चतुर्वेदी (शिवसेना-उद्धव ठाकरे) के सवाल के जवाब में बताया गया कि योजना के तहत 619 रूट संचालित किए गए थे, जिनमें से 48फीसदी नॉन-ऑपरेशनल हैं। 114 मार्ग तो योजना के तीन साल पूरे होने से पहले ही बंद कर दिए गए थे। 4. समग्र शिक्षा अभियान : डॉ. जॉन ब्रिटस (माकपा) का सवाल स्कूली शिक्षा के लिए एकीकृत योजना पर था। जवाब में बताया गया कि तमिलनाडु के लिए 2152 करोड़, बंगाल के लिए 1745 करोड़ और केरल के लिए 329 करोड़ रुपए स्वीकृत हुए थे। लेकिन इनमें से किसी राज्य को धनराशि जारी नहीं की गई। 5. केंद्रीय विद्यालयों में रिक्त पद : रामजीलाल सुमन (सपा) के सवाल पर सरकार ने बताया कि दिसंबर 2024 तक केंद्रीय विद्यालय संगठन में 8977 पद रिक्त थे। इनमें 7414 पद (83फीसदी) शैक्षणिक थे। 6. साइबर हमले : संजीव अरोरा (आप) के सवाल के जवाब में सरकार ने बताया कि 2020 से 2024 के बीच देश में साइबर सुरक्षा संबंधी 75.86 लाख से अधिक घटनाएं हुईं। 2020 की तुलना में ये 76फीसदी की वृद्धि थी। वहीं नीरज डांगी (कांग्रेस) के सवाल पर सरकार ने बताया 2022 से 2023 के बीच डिजिटल भुगतान में धोखाधड़ी के मामले 334फीसदी बढ़े हैं। 2022 के 277 करोड़ रुपए से बढ़कर 2023 में धोखाधड़ी 1457 करोड़ रुपए की हो गई। 7. पीएम-कुसुम : यह योजना किसानों को ऊर्जा और जल सुरक्षा प्रदान करने के लिए शुरू की गई थी। बजरंग मनोहर सोनवणे (राकांपा-शरद पवार) के सवाल से पता चला कि 10 हजार मेगावॉट रिन्यूएबल ऊर्जा आधारित बिजली संयंत्रों के स्वीकृत लक्ष्य की तुलना में 431 मेगावॉट के संयंत्र ही स्थापित हो पाए हैं। 8. कर्ज माफी : अमरा राम (माकपा) ने अधिसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा कर्ज माफी पर सवाल पूछा। पता चला कि 2014 से 2023 के बीच 16 लाख करोड़ रुपए से अधिक के ऋण माफ किए गए हैं। इनमें से 57फीसदी बड़े उद्योगों और सेवाओं के हैं। वहीं इस स्तम्भकार ने सरकार से किसानों पर बढ़ते कर्ज पर सवाल किया। सरकारी डेटा से खुलासा हुआ कि हर कृषक-परिवार पर औसतन बकाया ऋण राशि 74 हजार रुपए थी। कर्ज का उच्चतम स्तर आंध्रप्रदेश में 2.45 लाख रुपए है। इसके बाद केरल में 2.42 लाख रुपए, पंजाब में 2.03 लाख रुपए, हरियाणा में 1.83 लाख रुपए और तेलंगाना में 1.52 लाख रुपए है।बीते डेढ़ वर्षों से महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के नोटिसों को सरकार ने स्वीकार नहीं किया है। ऐसे में प्रश्नकाल ही इकलौता ऐसा उपकरण रह जाता है, जिससे संसदीय लोकतंत्र के तहत सरकार को जवाबदेह ठहराया जा सकता है।(डेरेक ओ ब्रायन ये लेखक के अपने विचार हैं। इस लेख के सहायक-शोधकर्ता आयुष्मान डे और धीमंत जैन हैं)

भारत-पाक संघर्ष का असर हमारे पड़ोसियों पर भी पड़ा है

भारत-पाक संघर्ष के बीच दक्षिण एशिया के देश भी अपनी पोजिशन में बदलाव ला रहे हैं। जब सभी का ध्यान सेनाओं की तैनाती, वायु शक्ति प्रदर्शन और नौसैनिक दावों पर था, तब रणनीतिक प्रभाव का परीक्षण सीमा पर नहीं, पड़ोसी देशों की प्रतिक्रिया में हो रहा था। ये और बात है कि भारत ने अपने पड़ोसियों की तुलना में बड़ी ताकतों और भू-राजनीतिक मैदान के बड़े खिलाड़ियों को अधिक महत्व दिया है। लेकिन हमें पड़ोसियों पर भी ध्यान देना होगा। श्रीलंका से बांग्लादेश तक और नेपाल से मालदीव तक भारत-पाक संघर्ष के प्रभाव अलग-अलग रहे हैं। इनमें से कोई भी देश संघर्ष में सीधा भागीदार नहीं था, लेकिन सभी ऐसा रुख अपना रहे थे, जिसमें उनकी कमजोरियां और महत्वकांक्षाएं दोनों ही झलकती हों। भारत और चीन के बीच संतुलन बनाने का लंबा अनुभव रखने वाला श्रीलंका भारत-पाक टकराव को लेकर सार्वजनिक बयानबाजी से बचता दिखा। हालांकि परदे के पीछे उसे समुद्री जंग को लेकर चिंता थी। भारतीय युद्धपोतों की दक्षिणी हिंद महासागर में सक्रियता के चलते वह खुद की रणनीतिक स्थिति का फिर से आकलन कर रहा था। जहां वह हम्बनटोटा और कोलंबो बंदरगाहों में चीनी निवेश को नहीं गंवाना चाहता, वहीं वह भारत के सुरक्षा कवच में भी बने रहना चाहता है। श्रीलंका भूल नहीं सकता कि कुछ वक्त पहले जब उसकी आर्थिक स्थिति बहुत बुरी थी तो भारत ने उसे 4 अरब डॉलर की सहायता दी थी। लेकिन नेपाल कूटनीतिक रास्ते पर चलना जारी रखे हुए है। भारत के साथ 2020 के सीमा विवाद की यादें अभी ताजा हैं। भारतीय सैन्य ताकत की मजबूती को लेकर नेपाल की जनता सावधान है। या यों कहें कि संशय में है। हालांकि दोनों देशों के बीच सैन्य और खुफिया जानकारियों को लेकर सहयोग चुपचाप जारी है। नेपाल की उत्तरी सीमा पर चीन की मौजूदगी बढ़ रही है। ये खबरें भी हैं कि इस क्षेत्र में भारत विरोधी तत्व आने-जाने के रास्ते तलाश रहे हैं। भूटान एक अपवाद है। वह भारत का सबसे विश्वसनीय क्षेत्रीय साझेदार बना हुआ है। खासतौर पर पूर्वी हिमालयी क्षेत्र में वह भारतीय सेनाओं के साथ अपना समन्वय बढ़ा रहा है। ?डोकलाम में जहां पहले भारत-चीन के बीच विवाद हुआ था, उस पर भी निगरानी रखी जा रही है। भूटान का रुख इस समझ पर आधारित है कि उसकी सुरक्षा भारत से जुड़ी है। ऐसे क्षेत्र में जहां साझेदारियां तेजी से बदल रही हों, थिम्फु की स्थिरता दुर्लभ है। बांग्लादेश का मामला इनमें सबसे जटिल है। आर्थिक रूप से भारत से जुड़े बांग्लादेश ने पूरे घटनाक्रम पर एक सधी हुई चुप्पी साध रखी है। देखें तो बांग्लादेश में स्थितियां राजनीतिक रूप से संवेदनशील हैं। पाकिस्तान से ऐतिहासिक संबंध रखने वाले इस्लामी समूह इस टकराव का उपयोग पाकिस्तान के पक्ष में धारणा बनाने के लिए कर रहे हैं।ऐसे में बांग्लादेश के लिए बहुत कुछ दांव पर है और हालात भी उसके लिए ब?हुत संगीन हैं। वहां की सेना में मौजूद धर्मनिरपेक्ष तत्व भारत के समर्थन में है, लेकिन आईएसआई वहां अपनी जड़ें जमाने की कोशिश रही है। मालदीव ने कुछ समय के लिए चीन-समर्थक रुख अपनाने के बाद अब भारत के साथ घनिष्ठ संबंधों को पुनर्जीवित किया है। हिंद महासागर क्षेत्र, विशेष रूप से मालदीव और मॉरीशस के आसपास भारतीय समुद्री गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। म्यांमार आंतरिक उथल-पुथल के दौर से गुजर रहा है, लेकिन वह भारत की रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारत का पूर्वोत्तर- जो विद्रोही गतिविधियों के प्रति संवेदनशील है- म्यांमार से लंबी सीमा साझा करता है। हाल के हफ्तों में भारत-म्यांमार सीमा पर सैनिकों की आवाजाही और हवाई निगरानी कथित तौर पर बढ़ गई है, और अपुष्ट रिपोर्टों के अनुसार पाकिस्तान इस अस्थिर गलियारे के जरिए छद्म तत्वों को सक्रिय कर सकता है। हालांकि हमारे किसी भी पड़ोसी मुल्क ने खुले तौर पर किसी पक्ष के साथ गठबंधन नहीं किया, फिर भी वे अपनी स्थिति का पुनर्मूल्यांकन कर रहे हैं। उपमहाद्वीप के छोटे देश अब क्षेत्रीय संकटों में निष्क्रिय दर्शक नहीं बने रह सकते। (ये लेखक के अपने विचार हैं) लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन।

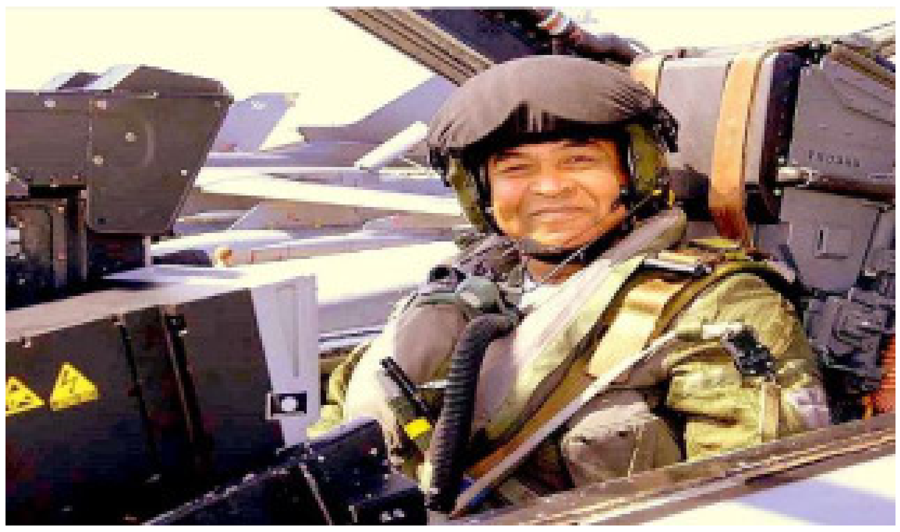

शिकागो में ट्रम्प की नीतियों के खिलाफ बड़ा विरोध-प्रदर्शन,हजारों लोगों सड़कों पर उतरे, ट्रम्प को तनाशाह बताते हुए मार्च निकाला

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की विवादास्पद पॉलिसियों के खिलाफ गुरुवार को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। अप्रवासियों को डिपोर्ट करने

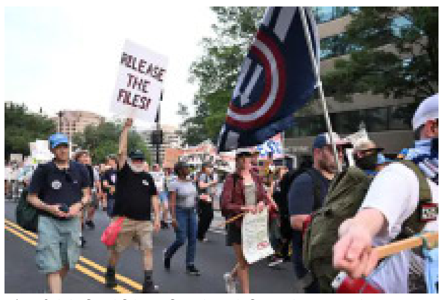

और गरीबों के लिए मेडिकेड सुविधाओं में कटौती के विरोध में 1600 से ज्यादा जगहों पर प्रदर्शन आयोजित हो रहे हैं। इन प्रदर्शनों को 'गुड ट्रबल लिव्स ऑन' नेशनल डे ऑफ एक्शन नाम दिया गया है, जो दिवंगत सांसद और ह्यूमन राइट एक्टिविस्ट जॉन लुइस को समर्पित है। आयोजकों ने लोगों से प्रदर्शनों को शांतिपूर्ण रखने की अपील की है। शिकागो इन विरोध-प्रदर्शन का मुख्य सेंटर रहेगा। दोपहर में शहर के डाउनटाउन में प्रदर्शनकारी एकत्र होंगे। शिकागो में आयोजित रैली में एक कैंडल मार्च निकाला जाएगा।पब्लिक सिटिजन ग्रुप की को-प्रेसिडेंट लिसा गिल्बर्ट ने मंगलवार को कहा- हम अपने देश के इतिहास के सबसे डरावने दौर से गुजर रहे हैं। हमें सरकार में बढ़ती तानाशाही रवैये और कानून के उल्लंघन का सामना करना पड़ रहा है, जो हमारी लोकतांत्रिक आजादी और अधिकारों को चुनौती दे रहा है। पब्लिक सिटिजन ग्रुप एक नॉन प्रॉफिट ऑर्गेनाइजेशन (एनजीओ) है, जो बड़े कॉर्पोरेट घराने के खिलाफ काम करता है। ये प्रदर्शन खास तौर पर अटलांटा, सेंट लुइस, ओकलैंड (कैलिफोर्निया) और एनापोलिस (मैरीलैंड) में होने की प्लानिंग है।जॉन लुइस का 2020 में 80 साल की उम्र में कैंसर की वजह से निधन हो गया था। वे ह्यूमन राइट आंदोलन के 'बिग सिक्स' नेताओं में से एक थे, जिसकी लीडरशिप मार्टिन लूथर किंग जूनियर कर रहे थे। लुइस ने 1965 में 'ब्लडी संडे' मार्च निकाला था, जिसमें वोटिंग अधिकारों के लिए 600 लोग अलबामा के एडमंड पेट्टस ब्रिज पर मार्च कर रहे थे। इस दौरान पुलिस ने उन पर हमला कर दिया। इस दौरान लुइस की खोपड़ी टूट गई थी। इस घटना ने वोटिंग राइट्स एक्ट 1965 को पारित करने में अहम भूमिका निभाई थी।ट्रम्प सरकार ने लॉस एंजिलिस में 6-7 जून को सरकार ने अवैध अप्रवासियों के खिलाफ एक अभियान चलाया गया था। इस दौरान दक्षिणी कैलिफोर्निया में मारिजुआना फार्मों पर छापेमारी के दौरान एक मजदूर की मौत हो गई थी। इसके बाद 8 जून को लॉस एंजिलिस में हजारों लोग सड़कों पर उतरे थे। 14 जून को 'नो किंग्स' प्रदर्शनों में लाखों लोगों ने ट्रम्प को तानाशाह बताते हुए उनकी आलोचना की थी।

महाराष्ट्र विधानसभा मारपीट मामले में एफआईआर, 2 गिरफ्तार:लॉबी में बीजेपी और शरद पवार गुट के विधायक समर्थकों में हाथापाई हुई थी

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा में बीजेपी और एनसीपी (शरद पवार) विधायकों के समर्थकों के बीच मारपीट मामले में शुक्रवार को एफआईआर दर्ज हुई है। इस मामले में मुंबई पुलिस ने अब तक 2 लोगों को गिरफ्तार

किया है। दरअसल, गुरुवार को महाराष्ट्र विधानसभा की लॉबी में भाजपा विधायक गोपीचंद पडलकर और एनसीपी (एसपी) विधायक जितेंद्र आव्हाड के समर्थक भिड़ गए थे। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसमें दोनों विधायकों के समर्थक आपस में गाली-गलौज और हाथापाई करते दिखे। इसके विरोध में शरद गुट के समर्थकों ने गुरुवार रात मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन के बाहर प्रदर्शन किया था। मारपीट की वजह सामने नहीं आई है। इस पर एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार ने शुक्रवार को कहा- चार लोगों ने कल महाराष्ट्र विधानसभा के बाहर नेता जितेंद्र आव्हाड पर हमला करने का प्लान बनाया था। हमें व्हाट्सएप और नए 'आका' के कार्यकर्ताओं से धमकी मिली थी। नया 'आका' दूर से इशारा देता है, और ये चार गुंडे वहां गुंडागर्दी करते हैं।घटना के बाद दोनों विधायकों के बयान एनसीपी (एसपी) विधायक जितेंद्र आव्हाड- 'पूरा महाराष्ट्र जानता है कि हमलावर कौन था। हमसे बार-बार सबूत मांगे जा रहे हैं, जबकि पूरे देश ने देखा है कि हमला किसने किया। गुंडों को विधानसभा में घुसने दिया जा रहा है, जिससे विधायकों की सुरक्षा को खतरा है। मुझे गालियां दी गईं, जान से मारने की धमकी दी गई। कुत्ता, सुअर जैसे अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया। क्या विधानसभा में ऐसा ही होने की उम्मीद थी। अगर विधायक विधानसभा में सुरक्षित नहीं हैं, तो हम विधायक क्यों बने रहें।' बीजेपी विधायक गोपीचंद पडलकर - विधानसभा में जो कुछ हुआ उससे मैं सचमुच दुखी हूं। यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। मैं खेद व्यक्त करता हूं और माफी मांगता हूं। 'सत्र के दौरान विधायक, उनके सहायक और सरकारी अधिकारी ही रहेंगे' विधानसभा परिसर में हुई मारपीट मामले में विधानसभा की ओर से नाराजगी जाहिर की गई है। महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा- केवल विधायक, उनके सहायक और सरकारी अधिकारी ही सत्र के दौरान विधान भवन में रह सकेंगे। साथ ही इस मामले में विधायिका नैतिकता समिति गठन को लेकर एक हफ्ते में फैसला लिया जाएगा। उद्धव बोले- गुंडे विधानसभा पहुंच गए,सीएम को जिम्मेदारी लेनी चाहिए शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने घटना को लेकर सरकार की आलोचना करते हुए कहा- 'अगर गुंडे विधानसभा पहुंच गए हैं, तो राज्य के गृह मंत्री और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। विधानसभा में इस तरह का आचरण उचित नहीं है।

दिल्ली के 45,बेंगलुरु के 50 स्कूलों में बम की धमकी:देश की राजधानी में 5 दिन मे चौथा मामला, लिखा- पेरेंट्स कटे-फटे शव देखेंगे तो खुशी होगी

नयी दिल्ली। दिल्ली और बेंगलुरु में शुक्रवार सुबह 80 से ज्यादा स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। दिल्ली के 45 से ज्यादा स्कूलों को धमकी भरा ईमेल भेजा गया। इनमें पीतमपुरा, द्वारका, पश्चिम विहार, रोहिणी, संगम विहार, समेत दूसरे इलाकों के स्कूल शामिल हैं। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता और फायर सर्विस की टीमें स्कूल पहुंची हैं। सावधानी के तौर पर स्कूलों को तुरंत खाली करा लिया गया और तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया। इनके अलावा, दिल्ली यूनिवर्सिटी के 3 कॉलेजों को भी बम की धमकी मिली है। राजधानी दिल्ली में 5 दिन के भीतर बम धमकी का यह चौथा मामला है। इससे पहले 14 जुलाई को दो, 15 जुलाई को तीन, 16 जुलाई को करीब 10 स्कूलों और दिल्ली यूनिवर्सिटी के सेंट स्टीफन्स कॉलेज को धमकी मिली थी। वहीं बेंगलुरु के भी 50 स्कूलों को बम की धमकी दी गई है। पुलिस ने बताया कि 'र्द्रिवत्त333' नाम के यूजर ने सुबह 7.24 बजे 50 स्कूलों की ईमेल आईडी पर स्कूल के अंदर बम होने का मेल भेजा। सूचना मिलते ही पुलिस और बम निरोधक दस्ता अलग-अलग स्कूलों में जाकर जांच में जुट गया है।धमकी भरे मेल में लिखा है, 'मैं आप में से हर एक को इस दुनिया से मिटा दूंगा। मुझे खुशी होगी जब मां-बाप अपने बच्चों के कटे-फटे शव देखने के लिए स्कूल पहुंचेंगे' चिट्ठी में लिखा है कि मैं विस्फोट के बाद आत्महत्या कर लूंगा।

मोदी बंगाल में बोले- घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई होगी:भाजपा किसी भी साजिश को कामयाब नहीं होने देगी, ये मोदी की गारंटी है

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में कहा- बंगाल में टीएमसी ने अपने स्वार्थ के लिए घुसपैठ को बढ़ावा दिया। इसके लिए इकोसिस्टम बनाया जा रहा है। ये राज्य-देश और बांग्ला संस्कृति के लिए खतरा है।उन्होंने आगे कहा- टीएमसी ने घुसपैठियों के पक्ष में नई मुहिम शुरू की। मैं साफ कहता हूं- जो भारत का नागरिक नहीं है और घुसपैठ करके आया है, उसपर संविधान के तहत कार्रवाई होकर रहेगी। बंगाल के खिलाफ साजिश को भाजपा कामयाब नहीं होने देगी, ये मोदी की गारंटी है। पीएम मोदी ने दुर्गापुर में 5000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इसमें ऑयल, गैस, बिजली, सड़क और रेल से जुड़ी कई अन्य विकास परियोजनाएं शामिल हैं। दुर्गापुर बंगाल के पश्चिम वर्धमान जिले का शहर है। राज्य में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। 2025 में मोदी की यह दूसरी पश्चिम बंगाल यात्रा है। इससे पहले उन्होंने 29 और 30 मई को अलिपुरद्वार और कूच विहार में परियोजनाओं का शिलान्यास किया था।मुर्शिदाबाद घटना में पुलिस ने कुछ न कियाः बंगाल में मुर्शिदाबाद जैसी घटना हुई है। हत्या हो जाती हो और पुलिस ने कुछ भी नहीं किया। यहां राज्य सरकार जान और दुकान की रक्षा नहीं कर सकती, तो निवेशकों को भी चिंता होती है। बंगाल के अस्पताल सुरक्षित नहींः आज बंगाल के अस्पताल भी सुरक्षित नहीं है, जब डॉक्टर बेटी के साथ अत्याचार हुआ तो टीएमसी सरकार अपराधी को बचाने में लगी रही। देश इससे उभरा ही नहीं तो एक और कॉलेज में बेटी के साथ दुर्व्यवहार हुआ। टीएमसी के नेता इसके आरोपियों को भी बचाने में लगे हैं। टीएमसी सरकार बंगाल के विकास के आगे खड़ीः टीएमसी सरकार बंगाल के विकास के आगे दीवार बनकर खड़ी है। जिस दिन टीएमसी की दीवार गिरी, तब बंगाल विकास की गति पकड़ लेगा। टीएमसी की सरकार जाएगी, तभी असली परिवर्तन आएगा। हम बंगाल में अवसर मांग रहे हैं।बंगाल की नीति भ्रष्टाचारियों ने बनाईः पश्चिम बंगाल की नीति भी भ्रष्टाचारियों के लिए बनाई जाती है। युवाओं की शिक्षा और कौशल के साथ जो कुछ यहां हो रहा है वह चिंता बढ़ाने वाला है। युवाओं की शिक्षा और कौशल के साथ जो कुछ यहां हो रहा है वह चिंता बढ़ाने वाला है। टीएमसी सरकार बंगाल के विकास के आगे खड़ीः टीएमसी सरकार बंगाल के विकास के आगे दीवार बनकर खड़ी है। जिस दिन टीएमसी की दीवार गिरी, तब बंगाल विकास की गति पकड़ लेगा। टीएमसी की सरकार जाएगी, तभी असली परिवर्तन आएगा। विकसित भारत में बंगाल की बड़ी भूमिका होने वाली है। हम बंगाल में अवसर मांग रहे हैं।बंगाल के उद्योगपतियों ने देश के इंडस्ट्रीज की नींव रखीः पश्चिम बंगाल की धरती प्रेरणाओं से भरी पड़ी है, यह देश के पहले उद्योग मंत्री श्यामा प्रसाद की भूमि है। उन्होंने देश के इंडस्ट्रीज की नींव रखी। ये बिधान चंद्र राय जैसे उद्योग पति की नगरी है। इस भूमि पर सर विरेंद्र मुखर्जी हुए, जिनके वीजन से भारत को स्टील उद्योग की नींव मिली ऐसे लोगों ने ही बंगाल को आगे बढ़ाया है। बंगाल में सबसे ज्यादा वंदे भारत ट्रेनें चल रहींः बंगाल में रेल कनेक्टिविटी सुधारने के लिए बहुत काम हुआ है। यह देश के उन राज्यों में से एक है जहां सबसे ज्यादा वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। कोलकाता मेट्रो का विस्तार हो रहा। रेलवे स्टेशनों को मॉडर्न बनाया जा रहा है। आज बंगाल को दो नए रेलवे ओवरब्रिज भी मिले हैं।पीएम मोदी इन 5 प्रोजेक्ट्स की शुरुआत की- बीपीसीएल सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन परियोजना, लागत- रु1,950?करोड़ प्रधानमंत्री पश्चिम बंगाल के बांकुरा और पुरुलिया जिले में लगभग 1,950 करोड़ रुपए की लागत वाली भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की शहरी गैस वितरण परियोजना की आधारशिला रखेंगे। यह परियोजना के तहत घरों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और इंडस्ट्रीयल कस्टमर्स को पीएनजी और सीएनजी कनेक्शन मुहैया कराई जाएगी। इससे क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। दुर्गापुर-कोलकाता नेचुरल गैस पाइपलाइन, लागत - रु1,190?करोड़ प्रधानमंत्री दुर्गापुर-हल्दिया नेचुरल गैस पाइपलाइन के दुर्गापुर से कोलकाता खंड (132 किलोमीटर) की शुरुआत करेंगे। इसे जगदीशपुर-हल्दिया और बोकारो-धामरा पाइपलाइन के एक हिस्से के रूप में बिछाया गया है। इस प्रोजेक्ट को प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा परियोजना के नाम से भी जाना जाता है। 1,190 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाला दुर्गापुर से कोलकाता खंड पश्चिम बंगाल के पूर्व वर्धमान, हुगली और नादिया जिलों से होकर गुजर रहा है। दुर्गापुर स्टील और रघुनाथपुर थर्मल पावर स्टेशन में एफजीडी सिस्टम, लागत- रु 1,457?करोड़ प्रधानमंत्री दुर्गापुर स्टील थर्मल पावर स्टेशन और दामोदर घाटी निगम के रघुनाथपुर थर्मल पावर स्टेशन की 1,457 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली फ्लू-गैस डिसल्फराइजेशन यूनिट भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इससे वायु प्रदूषण में कमी आएगी। पुरुलिया-कोटशिला रेल लाइन का दोहरीकरण, लागत- रु390?करोड़ बंगाल में रेलवे के जरिए औद्योगिक कनेक्टिविटी में सुधार को बढ़ावा देते हुए, प्रधानमंत्री मोदी पुरुलिया में 390 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से 36 किलोमीटर लंबी पुरुलिया-कोटशिला रेल लाइन के दोहरीकरण प्रोजेक्ट को भी हरी झंडी दिखाएंगे। इससे जमशेदपुर, बोकारो और धनबाद के उद्योगों का रांची और कोलकाता के साथ रेल संपर्क में सुधार होगा। माल गाड़ियों की डायरेक्ट आवाजाही होगी, जिससे समय भी बचेगा। तोपसी और पांडबेश्वर में दो रोड ओवर ब्रिज का उद्घाटन, लागत- 380करोड़ प्रधानमंत्री मोदी पश्चिम वर्धमान के तोपसी और पांडबेश्वर में सेतु भारतम कार्यक्रम के तहत बनाए 380 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से बने दो रोड ओवर ब्रिज का उद्घाटन करेंगे। इससे कनेक्टिविटी में सुधार होगा और रेलवे क्रॉसिंग पर दुर्घटनाओं को रोकने में भी मदद मिलेगी। दुर्गापुर में छह साल बाद पीएम मोदी की रैली बंगाल के पश्चिम वर्धमान जिले के दुर्गापुर में पीएम मोदी की 6 साल बाद यह दूसरी रैली है। इससे पहले वे 2 फरवरी 2019 को पहली बार दुर्गापुर गए थे। इस दिन पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल में भाजपा के लोकसभा चुनाव प्रचार का आगाज किया। उन्होंने दुर्गापुर के नेहरू स्टेडियम में एक बड़ी जनसभा को भी संबोधित किया था।

निमिषा प्रिया सजा मामला:केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा- हम चाहते हैं महिला सुरक्षित लौटे; याचिकाकर्ता की मांग- यमन जाने दें

नयी दिल्ली। यमन में मौत की सजा का सामना कर रही केरल की नर्स निमिषा प्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को

सुनवाई हुई। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि, वे चाहते हैं कि महिला सुरक्षित वापस आए। सरकार हर संभव मदद कर रही है।जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच में सरकार की तरफ से अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी पेश हुए। उन्होंने कहा- निमिषा को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। उधर याचिकाकर्ता संगठन 'सेव निमिषा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल' ने कोर्ट से अपील की है। उन्हें निमिषा को बचाने के लिए यमन जाने दिया जाए। इस पर कोर्ट ने कहा, आप केंद्र से संपर्क करें। हम इस पर कुछ नहीं कहेंगे। अगली सुनवाई 14 अगस्त को होगी। इससे पहले 14 जुलाई को हुई सुनवाई में कोर्ट ने कहा था कि मामला बहुत संवेदनशील है। अगर भारतीय नर्स यमन में जान गंवाती है तो यह दुखद होगा।निमिषा को 16 जुलाई को मौत की सजा दी जानी थी। जिसे फिलहाल टाल दिया गया है। वे 2017 से यमन की जेल में बंद हैं। उन पर यमन के नागरिक तलाल अब्दो महदी को दवा की ओवरडोज देकर हत्या करने का आरोप है।2008 में केरल के पलक्कड़ की रहने वाली 19 साल की निमिषा प्रिया नौकरी के लिए यमन पहुंचीं। राजधानी सना में एक सरकारी अस्पताल में उन्हें नर्स की नौकरी मिल गई। 2011 में निमिषा शादी के लिए भारत वापस आईं। उन्होंने कोच्चि के रहने वाले टॉमी थॉमस से शादी की और दोनों यमन आ गए। यहां थॉमस को इलेक्ट्रीशियन के असिस्टेंट की जॉब मिल गई, लेकिन सैलरी बहुत कम थी। 2012 में निमिषा ने बेटी मिशाल को जन्म दिया, लेकिन में यमन गुजारा करना मुश्किल होने लगा। 2014 में थॉमस बेटी के साथ कोच्चि लौट गए, जहां वे ई-रिक्शा चलाने लगे। जबकि निमिषा ने कम सैलरी वाली जॉब छोड़कर क्लिनिक खोलने का फैसला किया, लेकिन यमन के कानून के मुताबिक निमिषा को एक लोकल पार्टनर की जरूरत थी। इस दौरान निमिषा की मुलाकात कपड़े की दुकान चलाने वाले महदी से हुई। महदी की पत्नी की डिलीवरी निमिषा ने ही कराई थी।जनवरी 2015 में निमिषा बेटी मिशाल से मिलने भारत आईं। महदी भी उनके साथ भारत आया।इस दौरान महदी ने निमिषा की शादी की एक तस्वीर चुरा ली। बाद में महदी ने इस तस्वीर में छेड़छाड़ कर निमिषा का पति होने का दावा किया।क्लिनिक शुरू करने के लिए निमिषा ने परिवार वालों और दोस्तों से करीब 50 लाख रुपए जुटाए और यमन पहुंचकर क्लिनिक शुरू कर लिया। निमिषा ने पति और बेटी को यमन बुलाने के लिए कागजी काम शुरू किया, लेकिन मार्च में वहां गृहयुद्ध छिड़ गया और वे लोग यमन नहीं आ पाए।यमन में गृह युद्ध की वजह से भारत ने अपने नागरिकों को वहां से निकालने के लिए 'ऑपरेशन राहत' शुरू किया। यह ऑपरेशन अप्रैल-मई 2015 तक चला, जिसमें 4,600 भारतीयों और करीब एक हजार विदेशी नागरिकों को यमन से निकाला, लेकिन इनमें सिर्फ निमिषा ही भारत नहीं लौट पाईं। 2016 में महदी ने निमिषा के साथ शारीरिक उत्पीड़न करना शुरू कर दिया। उसने निमिषा के क्लिनिक का प्रॉफिट भी हड़प लिया। जब निमिषा ने इस बारे में सवाल किया तो दोनों के रिश्ते खराब हो गए। महदी निमिषा को यमन से बाहर नहीं जाने देना चाहता था, इसलिए उसने निमिषा का पासपोर्ट अपने पास रख लिया। निमिषा ने पुलिस में महदी की शिकायत भी दर्ज कराई, लेकिन पुलिस ने निमिषा को ही 6 दिनों की हिरासत में ले लिया, क्योंकि महदी ने एडिटेड फोटो दिखाकर निमिषा का पति होने का दावा किया।निमिषा काफी परेशान हो चुकीं थीं। जुलाई 2017 में महदी से पासपोर्ट लेने के लिए निमिषा ने उसे बेहोशी का इंजेक्शन दिया, लेकिन इसका असर नहीं हुआ। फिर निमिषा ने महदी को ओवरडोज दे दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, निमिषा ने महदी के शरीर के टुकड़े कर वाटर टैंक में फेंक दिए। इसके बाद पुलिस ने निमिषा को गिरफ्तार कर लिया। यमन की सुप्रीम ज्यूडिशियल काउंसिल ने निमिषा को महदी की हत्या के आरोप में मौत की सजा सुनाई। निमिषा ने यमन की सुप्रीम कोर्ट में माफी की अपील दायर की, जिसे 2023 में खारिज कर दिया। राष्ट्रपति रशद ने भी 30 दिसंबर 2024 को सजा को मंजूरी दे दी।शरिया कानून के मुताबिक, पीड़ित पक्ष को अपराधियों की सजा तय करने का हक है। हत्या के मामले में मौत की सजा है, लेकिन पीड़ित का परिवार पैसे लेकर दोषी को माफ कर सकता है। इसे 'दीया' या 'ब्लड मनी' कहा जाता है, जिसका जिक्र कुरान में भी किया गया है। निमिषा को माफी दिलाने के लिए उनकी मां ने अपनी संपत्ति बेचकर और क्राउडफंडिंग के जरिए 'ब्लड मनी जुटाने की भी कोशिश की। 2020 में निमिषा को सजा से बचाने और ब्लड मनी इकट्ठा करने के लिए 'सेव निमिषा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल' बनाया गया। केरल के एक जाने-माने बिजनेसमैन ने निमिषा को बचाने के लिए 1 करोड़ रुपए देने का ऐलान किया था। विदेश मंत्रालय का कहना है कि निमिषा को बचाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहा है, लेकिन मेहदी के परिवार ने अभी तक ब्लड मनी स्वीकार नहीं की है। निमिषा की मां यमन की राजधानी सना में डटी हुई हैं और बेटी को बचाने की कोशिश कर रही हैं।

राहुल बोले-सरकार जीजाजी को 10 साल से परेशान कर रही,ईडी ने एक दिन पहले मनी लॉन्ड्रिंग केस में रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ चार्जशीट दायर की थी

नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को एक्स पर लिखा, 'सरकार पिछले दस साल से मेरे जीजाजी (रॉबर्ट वाड्रा) को

परेशान कर रही है। यह चार्जशीट उसी षडयंत्र का हिस्सा है।' उन्होंने लिखा, 'मैं रॉबर्ट, प्रियंका और उनके बच्चों के साथ हूं, क्योंकि उन्हें राजनीतिक रूप से प्रेरित बदनामी और उत्पीड़न झेलना पड़ रहा है। मुझे पता है कि वे बहादुर हैं और वे पूरी गरिमा से इसका सामना करते रहेंगे। आखिर में सच्चाई की जीत होगी।' राहुल का यह बयान उस वक्त आया है, जब एन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) ने गुरुवार को गुरुग्राम लैंड डील केस से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रॉबर्ट के खिलाफ चार्जशीट पेश की थी। यह पहली बार है कि जब किसी जांच एजेंसी ने वाड्रा के खिलाफ किसी आपराधिक मामले में चार्जशीट दायर की है। वाड्रा के अलावा इस चार्जशीट में कई अन्य लोगों के साथ कंपनियों के नाम भी शामिल हैं। ईडी ने 16 जुलाई को 37.64 करोड़ रुपए की संपत्ति भी अटैच की थी। कांग्रेस ने गुरुवार को इसे 'डराने की कोशिश' बताया था।2008 में हुआ जमीन का सौदा फरवरी 2008 में रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी ने ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज से गुरुग्राम के शिकोहपुर गांव में 3.5 एकड़ जमीन 7.5 करोड़ रुपए में खरीदी। इस समय हरियाणा में कांग्रेस की सरकार थी और भूपेंद्र सिंह हुड्डा मुख्यमंत्री थे। जमीन खरीदने के करीब एक महीने बाद हुड्डा सरकार ने वाड्रा की कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी को 2.7 एकड़ जमीन पर आवासीय परियोजना विकसित करने की परमिशन दे दी। आवासीय परियोजना का लाइसेंस मिलने के बाद जमीन के दाम बढ़ जाते हैं। इसके करीब 2 महीने बाद ही जून 2008 में स्काईलाइट ने यह जमीन 58 करोड़ में डीएलएफ को बेच दी। वाड्रा की कंपनी को करीब 4 महीने में ही 700 प्रतिशत से ज्यादा का मुनाफा होता है। 2012 में हुड्डा सरकार कॉलोनी बनाने का लाइसेंस डीएलएफ को ट्रांसफर कर दिया। आईएएस अधिकारी ने म्यूटेशन रद्द किया 2012 में हरियाणा सरकार के भूमि रजिस्ट्रेशन के तब के निदेशक अशोक खेमका ने इस सौदे में अनियमितताओं का हवाला देकर जमीन का म्यूटेशन (स्वामित्व हस्तांतरण) रद्द कर दिया। खेमका ने दावा किया कि स्काईलाइट को लाइसेंस देने की प्रक्रिया में नियमों का उल्लंघन हुआ। इसके बाद खेमका का तबादला कर दिया गया। इससे मामले में विवाद और बढ़ गया।2018 में दर्ज की गई एफआईआर साल 2018 में हरियाणा पुलिस ने रॉबर्ट वाड्रा, भूपेंद्र हुड्डा, डीएलएफ और ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। इन पर धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और भ्रष्टाचार के आरोप में आईपीसी की धारा 420, 120, 467, 468 और 471 के तहत मामला दर्ज किया गया। बाद में आईपीसी की धारा 423 के तहत नए आरोप जोड़े गए।ईडी ने एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की ईडी ने शक जताया कि इस सौदे में मनी लॉन्ड्रिंग हुई है, क्योंकि जमीन की कीमत कुछ ही महीनों में असामान्य रूप से बढ़ गई। इसके अलावा ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज के फर्जी कंपनी होने का भी शक जताया गया। जमीन की खरीद से जुड़ा चेक कभी जमा नहीं किया गया। ईडी ने 2018 में हरियाणा पुलिस की एफआईआर के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया।ईडी को संदेह, डीएलएफ को हुआ रु5 हजार करोड़ का फायदा ईडी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी के वित्तीय लेनदेन, जमीन की खरीद-बिक्री और डीएलएफ के साथ सौदे की जांच कर रही है। साथ ही यह भी देखा जा रहा है कि क्या इस सौदे से हुई आय का इस्तेमाल अवैध गतिविधियों में किया गया। आरोप है कि डीएलएफ को इस सौदे में फायदा पहुंचाने के लिए हुड्डा सरकार ने नियमों का उल्लंघन किया। इसमें वजीराबाद में डीएलएफ को 350 एकड़ जमीन आवंटन का भी जिक्र है। ईडी को शक है कि इससे डीएलएफ को 5 हजार करोड़ रुपए का फायदा हुआ।

अजमेर में भारी बारिश, घरों में पानी भरा, लोग बहे,6 जिलों में स्कूल बंद, 4 दिन में 23 की मौत; यूपी के काशी में 30 हजार घर डेंजर जोन में

नयी दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में डिप्रेशन सिस्टम एक्टिव होने से राजस्थान के 6 जिले- जोधपुर,

नागौर, पाली, अजमेर, सिरोही, जालोर में भारी बारिश हो रही है। शनिवार को अजमेर और टोंक में बाढ़ जैसे हालात हैं। कई इलाकों में पानी भर गया है। शनिवार को कोटा, बारां, झालावाड़, अजमेर, बूंदी, राजसमंद और नागौर के स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी है। अजमेर के दरगाह बाजार इलाके में शुक्रवार की रात तेज बारिश से कई लोग बह गए। राजस्थान में मानसून के इस सीजन में अब तक औसत से 109 फीसदी ज्यादा बरसात हो चुकी है। राजसमंद में तालाब फूटने (बांध टूटने) से 3 स्कूली बच्चों सहित 7 लोग पानी के बहाव में फंस गए। जोधपुर के अरना-झरना क्षेत्र में डूबने से युवक की मौत हो गई। सीकर में 13 साल के बच्चे की डूबने से मौत हो गई। राजस्थान में बारिश से हुए हादसों में बीते चार दिन में 23 लोगों की जान गई है।मध्य प्रदेश में भी बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। इस वजह से शनिवार को ग्वालियर, छतरपुर, पन्ना समेत 16 जिलों में बाढ़ का खतरा बना हुआ है। शिवपुरी में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। इसके अलावा मुरैना, श्योपुर समेत 14 जिलों में शनिवार को 4 इंच से ज्यादा बारिश हो सकती है। उत्तर प्रदेश में भी नदी-नाले उफान पर हैं। काशी में गंगा के साथ वरुणा नदी में बाढ़ आ गई है। इसके किनारे डेंजर जोन में आने वाले करीब 30 हजार घरों पर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। बाढ़ का पानी आने से पहले ही लोगों ने पलायन की तैयारी शुरू कर दी है। इस सीजन में देशभर में अब तक सामान्य से 9फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है। हरियाणा, ओडिशा, मध्य प्रदेश, गुजरात और दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव बहुत ज्यादा बारिश वाले राज्य हैं।मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक 1 जून से 16 जुलाई तक देश में 331.9एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई है। यह सामान्य 304.2एमएम से करीब 9फीसदी ज्यादा है।

विंध्यवासिनी का जल बैजू बाबा मंदिर चढ़ने को निकले कांवरिया, नगर स्थित बैजू बाबा बैजनाथ धाम मंदिर जल लेने निकले कांवरिया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। रॉबट्सगंज नगर के अंबेडकर नगर स्थित बैजू बाबा बैजनाथ धाम मंदिर से शुक्रवार को धाम विंध्याचल से गंगाजल लेने के लिए कांवरियों का जत्था गाजे बाजे के साथ हुए रवाना। कार्यक्रम के संयोजक बृजलाल सरोज आशा देवी ने बताया कि विगत कई वर्षों से विंध्याचल धाम गंगा जी से जल लेकर बाबा भोलेनाथ को कांवरियों द्वारा जलाभिषेक किया जाता है। संयोजक ने कहा कि गंगा में स्नान कर जल भरकर पहले धाम परिसर में पूजा अर्चना व जलाभिषेक कर कांवरिया अपनी कांवर यात्रा का शुभारंभ करते हैं। बोलबम के महामंत्र का जाप करते हुए कांवरिया धाम से लगभग 70 किलोमीटर पग की यात्रा कर बाबा भोलेनाथ के दरबार में पहुंचकर ज्योतिर्लिंग का जलाभिषेक करते हैं। श्रावणी मेला को लेकर विंध्याचल से बाबाधाम तक कांवरिया पैदल पथ गेरूआमय हो गया है। बोल बम के जयकारे लगाने से माहौल भक्तिमय हो गया है। शिव भक्ति में लीन कांवरिया को न तो धूप और न ही बारिश का भय है। वही कांवरिया बोल बम, हर - हर महादेव के जयकारे लगाते हुए दिनभर कांवरिया पथ शिव भक्त चलते रहे। इस मौके पर सुरेश सरोज संजना रितु रानी राज गुड़िया नैना देवी दिलीप सिंह प्रहलाद मौर्य उषा मौर्य समेत अन्य शामिल है।

पुल से गिरा युवक पानी में डूबने से हुई मौत,शाहगंज थाना क्षेत्र के सीकरी गांव का मामला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। शाहगंज थाना क्षेत्र के सीकरी गांव में बृहस्पतिवार की देर शाम पुल से पैर फिसल कर गिरा युवक पानी में डूबने से हुई मौत। जानकारी के अनुसार शाहगंज थाना क्षेत्र के सीकरी गांव निवासी नंदलाल 22 वर्षीय पुत्र नारायण जो घर से कुछ दूरी पर स्थित पुल पर खड़ा हो कर बीते कुछ दिनों से हो रही बरसात के पानी व बहते पानी मौसम में कुछ लोगों के साथ गया हुआ था कि अचानक पुल से उसका पैर फिसल गया और वह पानी में गिर गया वहीं आस पास के लोग यह देख शोर मचाने लगे उधर यह सुनते ही गांव के कुछ लोग पानी में कूद कर उसको बाहर निकाला फिर हालत गंभीर देखते हुए अस्पताल ले गए जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के दौरान युवक को मृत घोषित कर दिया शुक्रवार को पुलिस ने पीएम करते हुए अग्रिम कार्रवाई में जुटी।

अस्सी ई रिक्शा टोटो का चालान एक किया गया सीज,पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले भर में चला अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा शुक्रवार को यातायात पुलिस व थाना पुलिस को दिए गए निर्देश के क्रम में यातायात पुलिस द्वारा बिना नंबर प्लेट अथवा कागज के बिना चल रहे लगभग 80 ई रिक्शा टोटो का चालान एक को किया गया सीज। यातायात टीएसआई प्रभारी कृष्ण कुमार शुक्ला ने बताया कि अभियान चलाकर जिला मुख्यालय के इलेक्ट्रिक टोटो ई रिक्शा बिना नंबर प्लेट बिना कागजात अथवा नाबालीक के खिलाफ मुहिम चलाकर चालान की कार्रवाई की गई वहीं चट्टी चौराहों पर संबंधित ऑटो चालकों को इलेक्ट्रिक टोटो चालकों को गोष्टी के माध्यम से यातायात नियमों के बारे में बताया गया इस मौके पर टीएसआई भरत राय, सगम सिंह,बबलू यादव,एजाज खान आदि लोग मौजूद थे।

जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी(पंचायत)

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। बी0एन0 सिंह ने अगवत कराया है कि राज्य निर्वाचन आयोग उ0प्र0, लखनऊ के निर्देशानुसार जनपद सोनभद्र की त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावलियों के वृहद पुनरीक्षण हेतु निम्न संशोधित समय सारणी निर्धारित की गयी है। किसी ग्राम पंचायत के आंशिक भाग के किसी अन्य ग्राम पंचायत अथवा नगरीय निकाय में समाहित होने की स्थिति में विलोपन एवं मतदाता सूची के प्रिंट करने की कार्यवाही, बी0एल0ओ0 एवं पर्यवेक्षकों को उनके कार्य क्षेत्र का आवंटन उन्हें तत्सम्बन्धी जानकारी देना प्रशिक्षण तथा स्टेशनरी आदि का वितरण उपर्युक्त दोनों कार्यवाही पृथक-पृथक तथा समानान्तर चलेगी, जिसकी अवधि 18 जुलाई, 2025 से 18 अगस्त, 2025 तक निर्धारित की गयी है। इसी प्रकार से बी0एल0ओ0 द्वारा घर-घर जाकर गणना और सर्वेक्षण एवं हस्तलिखित पाण्डुलिपि तैयार करने की अवधि (01 जनवरी, 2025 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी अर्ह व्यक्तियों के नाम सम्मिलित किए जाएंगे, जिसके लिए 19 अगस्त, 2025 से 29 सितम्बर, 2025 तक, ऑनलाइन आवेदन करने की अवधि 19 अगस्त, 2025 से 22 सितम्बर, 2025 तक, ऑनलाइन प्राप्त आवेदन पत्रों की घर-घर जाकर जॉच करने की अवधि 23 सितम्बर, 2025 से 29 सितम्बर, 2025 तक, निर्वाचक गणना पत्रक के आधार पर परिवर्धन, संशोधन एवं विलोपन की तैयार हस्तलिखित पाण्डुलिपि सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय में जमा करने की अवधि 30 सितम्बर, 2025 से 06 अक्टूबर, 2025 तक, ड्राफ्ट नामावलियों की कम्प्यूटरीकृत पाण्डुलिपि तैयार करना (निर्वाचक नामावलियों के कम्प्यूटरीकरण की कार्यवाही 07 अक्टूबर, 2025 से 24 नवम्बर, 2025 तक, निर्वाचक नामावलियों के कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्र/स्थलों का क्रमांकन, मतदाता क्रमांकन, मतदेय स्थलों के वार्डों की मैपिंग, मतदाता की डाउनलोडिंग, फोटोप्रतियाँ कराने आदि।25 नवम्बर, 2025 से 04 दिसम्बर, 2025 तक, अनन्तिम मतदाता सूची के आलेख का प्रकाशन 05 दिसम्बर, 2025 को।

श्रावणी शनिवार को हनुमान जी का हुआ फलों से श्रृंगार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रॉबट्र्सगंज, सोनभद्र। श्रावणी शनिवार को नगर स्थित संकट मोचन मंदिर में हनुमान जी का फलों से श्रृंगार किया गया। इसके बाद मंगला आरती हुई। इस अवसर प्रधान पुजारी राजकुमार पांडे ने बताया कि श्रावण का महीना भगवान शिव को समर्पित है, और शनिवार हनुमान जी का दिन माना जाता है। श्रावण मास में शनिवार का दिन हनुमान जी की पूजा के लिए विशेष महत्व रखता है। इस दिन हनुमान जी को प्रसन्न करने के लिए विभिन्न प्रकार के फल, फूल सिंदूर और चमेली का तेल चढ़ाने से भक्तों की सारी मनोकामनाएं पूरी करते है। वहीं मंदिर परिसर में मानस भजन समिति द्वारा सुंदरकाण्ड का पाठ किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से मंदिर के व्यवस्थापक झूंगरमल, अग्रवाल, शिवा पांडे, सचिन जयसवाल, गया प्रसाद, संतोष कुमार सिंह, दिनेश शुक्ला, सतेंद्र पाठक, संतोष चौबे, आत्माराम पांडे, दादे चौबे, अभिषेक पांडे, देवानंद सोनी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मांगों को लेकर माध्यमिक शिक्षणेत्तर संघ सौंपा ज्ञापन,डीआईओएस कार्यालय पर बुलंद की आवाज मुख्यमंत्री नामित दिया पत्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। डीआईओएस कार्यालय पर शुक्रवार को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षणेत्तर संघ

ने अपनी 11 सूत्री मांग को लेकर विरोध जताते हुए बुलंद की आवाज मुख्यमंत्री नामित ज्ञापन डीआईओएस को सौंपा। प्रदेसिय संरक्षक तारा सिंह अथवा जिला अध्यक्ष अजीत रावत ने बताया कि ज्ञापन के माध्यम से बताया गया कि प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की माँगों के शासनादेश निर्गत कराये वही जिला अध्यक्ष अजीत रावत ने बताया कि प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षणेत्तर कर्मचारियों (लिपिक एवं चतुर्थ श्रेणी) की ओर आकृष्ट कराते हुए निवेदन करना है कि शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की निम्न मॉगों / समस्याओं के सम्बन्ध में विगत कई वर्षों से उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षणेत्तर संघ द्वारा प्रत्यावेदनों / बैठकों के माध्यम से शासन / शिक्षा विभाग को अवगत कराया जा रहा है। कई बार शासन के अधिकारियों द्वारा संगठन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर मोंगों पर सहमति व्यक्त की गयी, विगत 04 अक्टूबर 2021 एवं 08 अप्रैल 2025 को भी प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में शासन स्तर पर बैठक आयोजित की गयी थी जिसमें मोंगों के शासनादेश निर्गत कराने हेतु कार्यवाही का आश्वासन प्राप्त हुआ था, परन्तु अद्यतन शासनादेश निर्गत नहीं किये गये जिससे हम शिक्षणेत्तर कर्मचारियों में सरकार के प्रति अविश्वास की स्थिति उत्पन्न हो रही है। लोक सभा एवं उत्तर प्रदेश विधान सभा निर्वाचन में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के उद्देश्य को लेकर अन्त्योदय की विचार धारा से लाभ देने की बात कही गयी थी परन्तु सरकार बनने पर अद्यतन हम अन्तिम पायदान के कर्मचारियों की न्यायोचित माँगों पर आश्वासन के पश्चात् भी कोई कार्यवाही नहीं की गयी। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षणेत्तर संघ (यू0पी0एजूकेशनल मिनिस्ट्रियल एसोसियेशन) की प्रदेश कार्य समिति की बैठक 14.04.2025 में निर्णय लिया गया था कि दिनांक 16 जुलाई 2025 से 19 जुलाई 2025 तक जनपदवार ज्ञापन प्रेषित किया जायेगा। संगठन की प्रदेश कार्य समिति में लिये गये निर्णय व प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार शर्मा के आवाहन पर शुक्रवार को हम जनपद सोनभद्र के समस्त शिक्षणेत्तर कर्मचारी जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में एक दिवसीय धरने के माध्यम से अपनी मांगों का ज्ञापन इस अनुरोध एवं अपेक्षा के साथ प्रस्तुत करते हैं कि आपके द्वारा हमारी न्यायोचित मोंगों पर सार्थक कार्यवाही कराते हुए शासनादेश निर्गत कराने की कृपा की जायेगी।श्री रावत ने बताया कि हम लोगों की मांगे प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के अर्हताधारी शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की एक पद पर पदोन्नति का प्रावधान किये जाने हेतु कार्यवाही की अपेक्षा है। देश के राजकीय कर्मचारियों के समान अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के जनर कर्मचारियों को 300 दिन के उपार्जित अवकाश का नकदीकरण सेवा निवत्त पर दिये सहित ग्यारह माग पत्र का ज्ञापन दिया गया है इस मौके पर विश्वनाथ प्रसाद, राहुल कुमार, अभिषेक सिंह, मोहन मिश्रा, जितेंद्र सिंह, शंभू नाथ यादव, अजय कुमार पांडे, शशिकांत उपाध्याय, राजकुमार ,रमन सिंह, अरविंद कुमार, मनीष त्रिपाठी, ब्रजेश उपाध्याय आदि लोग मौजूद रहे।

श्रावण मास कावड़ यात्रा - वर्ष 2025
जनपद सोनभद्र हेतु यातायात डायवर्जन प्लान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। श्रावण मास में कावड़ यात्रा

के दौरान श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि एवं यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से जनपद सोनभद्र में विशेष यातायात डायवर्जन व्यवस्था प्रभावी की जा रही है। यह डायवर्जन प्लान निम्नलिखित तिथियों को लागू रहेगा- 14 जुलाई 2025, 21 जुलाई 2025, 23 जुलाई 2025 (श्रावण शिवरात्रि), 28 जुलाई 2025,04 अगस्त 2025. उक्त सभी तिथियों से तीन दिन पूर्व पड़ने वाले शुक्रवार से प्रारंभ होकर मंगलवार तक डायवर्जन व्यवस्था लागू की गयी है। द्वितीय सोमवार दिनांक 21.07.2025 व तृतीय सोमवार दिनांक 28.07.2025 के मध्य दिनांक 23.07.2025 को श्रावण शिवरात्रि पड़ने के कारण जनपद में डायवर्जन व्यवस्था दिनांक 18.07.2025 को प्रातः 06.00 बजे से लागू होकर दिनांक 29.07.2025 की रात्रि 22.00 बजे तक यथावत् लागू रहेगा। यह व्यवस्था यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगम यातायात संचालन के दृष्टिगत लागू की जा रही है। जनपद सोनभद्र से मीरजापुर की तरफ जाने वाले भारी वाहनों को हिन्दुआरी से होकर वाया सुकृत,अहरौरा होते हुये अपने गनतव्य को जायेगें। चोपन की तरफ से आने वाले बड़े/ भारी वाहन जिन्हें मीरजापुर, भदोही व प्रयागराज जाना है वे रा0गंज फ्लाई ओवर ब्रीज होते हुये वाया हिन्दवारी,अहरौरा, टेंगरा मोड़ होते हुये अपने गनतव्य को जायेगें। रायपुर-पन्नूगंज से कस्बा रा0गंज या घोरावल तथा चोपन रोड पर जाने वाले भारी वाहन बेलखुरी मोड़ से मधुपुर होते हुये अपने गन्तव्य को जायेगें। घोरावल-शाहगंज रोड से रा0गंज शहर की तरफ आने वाले भारी वाहन शाहगंज तिराहे से वाया राजगढ़ होकर अपने गनतब्य को जायेगें । मारकुण्डी की तरफ से कचहरी होते हुये पन्नूगंज जाने वाले भारी वाहन रा0गंज फ्लाई ओवर ब्रीज होते हुये मधुपुर से बेलखुरी तिराहा होकर अपने गनतव्य को जायेगी।राजगढ़/ रा0गंज की ओर से ट्रैक्टर से आने वाले श्रद्धालुओं/ कांवरियों को शाहगंज से 04 किमी0 आगे ओदार नामक स्थान से सीधे शिवद्वार मंदिर घोरावल की ओर मोड़ दिया जायेगा । विजयगढ़ किला से वाया रा0गंज-शाहगंज से कस्बा घोरावल होते हुए शिवद्वार मंदिर को जाने वाले कांवड मार्ग पर रा0गंज क्षेत्रान्तर्गत छपका तिराहा व धर्मशाला तिराहा पर कांवरियों की भीड़ बढ़ने पर,वाहनों को रोककर कांवरियों/ श्रद्धालुओं को पास कराया जाता है । कस्बा रा0गंज में डायवर्जन हेतु कोई वैकल्पिक मार्ग नही है, फिर भी जिलाधिकारी कार्यालय मुख्य मार्ग गेट से छपका तिराहा होते हुये धर्मशाला चौराहा तक भीड़ बढ़ने पर वन-वे किया जायेगा।

चोपन पुलिस को मिली बड़ी सफलता, पॉक्सो एक्ट से संबन्धित 01 नफर अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। प्रकरण- दिनांक 18.07.2025 को थाना चोपन पर

सूचना प्राप्त हुई कि श्री गोवर्धन मिस्त्री पुत्र स्व. तेजलाल मिस्त्री, निवासी ग्राम कुशमरजा थाना सरिया, जिला गिरिडीह (झारखंड), जो रेलवे कंट्रोल चोपन में चपरासी के पद पर नियुक्त हैं एवं वर्तमान में आवास संख्या 34बी गार्ड कॉलोनी थाना चोपन में निवास करते हैं, एक दिन के लिए अपने गांव गए थे। उसी दौरान उनकी पुत्री आवास पर अकेली थी, जो रात्रि में वॉशरूम के लिए बाहर निकली तो पड़ोसी आमिर सोहैल पुत्र अबू अख्तर अंसारी उम्र करीब 34 वर्ष निवासी ग्राम पसनौली गगन थाना महाराजगंज, जिला सिवान (बिहार), हाल पता - रूम नं. 34ए गार्ड कॉलोनी, जो रेलवे में ट्रैकमैन के पद पर कार्यरत है, द्वारा दीवार फांद कर युवती से छेड़छाड़ की गई। इस संबंध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना चोपन पर मु0अ0सं0-243/2025 धारा 76, 333, 351 (3) बीएनएस व 7/8 पॉक्सो एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया। अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक चोपन के कुशल नेतृत्व में अभियोग उपरोक्त से सम्बन्धित अभियुक्त आमिर सोहैल पुत्र अबू अख्तर अन्सारी निवासी पसनौली, गगन थाना महाराजगंज, जिला सिवान (बिहार) हालपता रेलवे आवास सं0 34/ए गार्ड कालोनी थाना चोपन, सोनभद्र उम्र 34 वर्ष को आज दिनांक 19.07.2025 को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण- आमिर सोहैल पुत्र अबू अख्तर अन्सारी निवासी पसनौली,गगन थाना महाराजगंज,जिला सिवान (बिहार) हालपता रेलवे आवास सं0 34/ए गार्ड कालोनी थाना चोपन,सोनभद्र उम्र 34 वर्ष। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम - 01.व030नि0 उमाशंकर यादव थाना चोपन जनपद सोनभद्र। 02.का0 अजय यादव थाना चोपन जनपद सोनभद्र।

सोननदी में बाढ़ से फसलों को भारी नुकसान, सैकड़ों किसान प्रभावित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) चोपन/सोनभद्र। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के चलते सोननदी का जलस्तर अचानक बढ़ने से

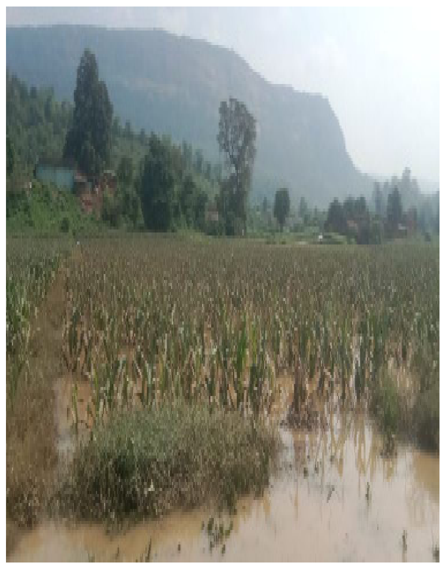

तटीय इलाकों में बाढ़ जैसे हालात उत्पन्न हो गए हैं। खेतों में बाढ़ का पानी घुस जाने से कनछ क्षेत्र के पकड़ी, कन्हौरा, रानीडिह, ससनई, चकरिया, बसुहारी, पिंडारी सहित कई गांवों के सैकड़ों किसान प्रभावित हुए हैं। किसानों की मानें तो मक्का की फसल जो लगभग तैयार हो चुकी थी, वह पूरी तरह से बर्बाद हो गई है। इसके साथ ही अरहर, तील जैसी अन्य फसलें भी बाढ़ के पानी में डूबकर नष्ट हो गईं। इससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। इधर, किसानों को राहत दिलाने की मांग को लेकर अपना दल (एस) के पूर्व जिला महासचिव श्यामाचरण गिरी ने जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष भी बाढ़ से किसानों को बड़ा नुकसान हुआ था, जिससे वे अभी उबर भी नहीं पाए थे कि इस वर्ष फिर से बर्बादी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि तत्काल एक टीम गठित कर फसल क्षति का स्थलीय निरीक्षण कराया जाए तथा प्रभावित किसानों को समुचित मुआवजा दिया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो किसानों की आर्थिक स्थिति और अधिक बदतर हो जाएगी।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा तहसील ओबरा में सम्पूर्ण समाधान दिवस पर की गई जन सुनवाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शिकायतों के निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारियों ने अपने-अपने सर्किल अंतर्गत संबंधित तहसीलों में फरियादियों की समस्याएं सुनीं- तहसील ओबरा में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी सोनभद्र बद्रीनाथ सिंह एवं पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अशोक कुमार मीणा द्वारा संयुक्त रूप से जन समस्याओं की सुनवाई की गई। समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए अधिकारियों को यह निर्देशित किया गया कि प्रत्येक मामले का निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से भूमि विवाद संबंधी मामलों में जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा स्पष्ट निर्देश

दिए गए कि पुलिस व राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा संयुक्त जांच कर निस्तारण किया जाए, ताकि फरियादियों को एक विभाग से दूसरे विभाग के चक्कर न काटने पड़ें और उनकी समस्याओं का त्वरित एवं न्यायोचित समाधान सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

महिला सुरक्षा व सशक्तिकरण हेतु मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत जनपदीय पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 'मिशन शक्ति फेज-5.0' के अधिकारों, कल्याणकारी योजनाओं और सुरक्षा संसाधनों के प्रति जागरूक किया। प्रमुख बिंदु- महिला अभियान के दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने आमजन विशेषकर युवतियों एवं महिलाओं से सीधा

तहत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दिनांक 19 जुलाई 2025 को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपद के सभी थानों पर गठित मिशन शक्ति टीमों एवं एंटी रोमियो स्क्वॉड द्वारा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत महिला पुलिसकर्मियों तथा मिशन शक्ति टीमों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों के प्रमुख बाजारों, कस्बों, शिक्षण संस्थानों, चौराहों, धार्मिक स्थलों एवं अन्य भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर जाकर महिलाओं व बालिकाओं को उनके सशक्तिकरण से जुड़ी प्रमुख योजनाओं की जानकारी दी गईः- मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, राष्ट्रीय पोषण मिशन,मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना,बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना,प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना,महिला सुरक्षा हेतु हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई एवं पंपलेट वितरित किए गएः- वीमेन पावर लाइन - 1090, महिला हेल्पलाइन - 181,पुलिस आपात सेवा - 112, सीएम हेल्पलाइन - 1076, स्वास्थ्य सेवा - 102, एम्बुलेंस - 108, साइबर हेल्पलाइन - 1930, सहभागिता एवं संवादः- संवाद स्थापित कर उन्हें यह संदेश दिया कि किसी भी प्रकार की असुविधा या उत्पीड़न की स्थिति में वे निःसंकोच पुलिस से संपर्क करें। उपस्थित नागरिकों ने पुलिस की इस पहल की सराहना की और ऐसे कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित किए जाने की मांग भी की। जनपद पुलिस की प्रतिबद्धताः-जनपद सोनभद्र पुलिस द्वारा यह जागरूकता अभियान मिशन शक्ति के तहत निरंतर जारी रहेगा, ताकि समाज में महिला सुरक्षा को लेकर सकारात्मक वातावरण एवं जनसहभागिता को और अधिक सशक्त बनाया जा सके।

बीसीसीआई को 2023-24 में रु9742 करोड़ की कमाई हुई:इसमें से 5761 करोड़ आईपीएल से आए,बोर्ड के पास 30 हजार करोड़ रिजर्व में हैं

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने

फाइनेंशियल ईयर 2023-24 में रिकॉर्ड तोड़ कमाई की है और इसकी कुल आय 9742 करोड़ रुपए रही। फर्म रेडिफ्यूजन की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस कमाई का सबसे बड़ा हिस्सा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से आया। आईपीएल ने अकेले 5,761 करोड़ रुपए का योगदान दिया। यानी बोर्ड की कुल कमाई का 59फीसदी हिस्सा आईपीएल से आया। गैर-आईपीएल मीडिया राइट्स से बीसीसीआई को 361 करोड़ रुपए की आमदनी हुई। आईपीएल अब बीसीसीआई की सबसे बड़ी आय का सोर्स बन चुका है और रणजी ट्रॉफी समेत घरेलू क्रिकेट के खिलाड़ियों को बड़े मौके भी दे रहा है। रेडिफ्यूजन के मैनेजिंग डायरेक्टर संदीप गोयल ने कहा, बीसीसीआई के पास रणजी ट्रॉफी, दलीप ट्रॉफी और सीके नायडू ट्रॉफी जैसे डोमेस्टिक टूर्नामेंट को व्यवसायिक बनाने की बड़ी क्षमता है, जिससे गैर-आईपीएल राजस्व बढ़ सकता है। बोर्ड के पास करीब 30,000 करोड़ रुपए रिजर्व में है, जिससे हर साल लगभग 1,000 करोड़ रुपए ब्याज मिलता है। ऐसे आईपीएल से पैसा कमाता है बीसीसीआई- मीडिया राइट्स: मीडिया और ब्रॉडकास्टिंग राइट्स यानी आईपीएल के मैचों के टेलीकास्ट करने का अधिकार। मैच के लाइव टेलिकास्ट के अलावा हाइलाइट्स तक सिर्फ वही कंपनी दिखा सकती है, जिसके पास मीडिया राइट्स हों। इससे ही बीसीसीआई को सबसे ज्यादा रेवेन्यू मिलता है। टाइटल स्पॉन्सरशिप: साल 2008 में टाइटल स्पॉन्सरशिप के लिए सालाना रु50 करोड़ दिए गए थे। वहीं, 2023 में ये आंकड़ा सालाना रु 300 करोड़ से ज्यादा हो गया। टाटा और बीसीसीआई के बीच दो साल की डील हुई थी, इसके लिए कुल रु 600 करोड़ दिए गए। फ्रेंचाइजी फीस: कोई भी नई टीम जब आईपीएल का हिस्सा बनती है, इसके लिए फ्रेंचाइजी फीस देनी होती है। ये पूरा प्रोसेस बोली लगाकर होता है, जिसमें अलग-अलग कंपनियां या ग्रुप टीम खरीदने के लिए बिडिंग प्रोसेस का हिस्सा बनते हैं। साल 2022 में जब गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपरजायंट्स लीग का हिस्सा बनीं, तो बीसीसीआई के खाते में रु 12500 करोड़ जुड़ गए। इस सीजन आईपीएल का खिताब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने जीता था। टीम पहली बार आईपीएल चैंपियन बनी। आरसीबी ने फाइनल में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) को 6 रन से हराया। इसी के साथ 18वें सीजन में आईपीएल को 8वां चैंपियन मिला। 3 जून को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 191 रन का टारगेट चेज कर रही पीबीकेएस 184 रन ही बना सकी। आरसीबी की टीम आईपीएल इतिहास की आठवीं चैंपियन बनी है। इससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स (5 बार), मुंबई इंडियंस (5 बार), कोलकाता नाइट राइडर्स (3 बार), राजस्थान रॉयल्स (1 बार), डेक्कन चार्जर्स (1 बार), सनराइजर्स हैदराबाद (1 बार) और गुजरात जायंट्स (1 बार) चैंपियन बनी है।

आईसीसी एनुअल मीटिंग-लॉस एंजिलिस ओलिंपिक क्वालिफिकेशन तय करने के लिए नया ग्रुप बनेगा; इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने की न्यूनतम आयु 15 साल होगी

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कई महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर चर्चा के

लिए एक वर्किंग ग्रुप बनाने का फैसला किया है। इसमें क्रिकेट के हर फॉर्मेट की संरचना और 2028 लॉस एंजिलिस ओलिंपिक के लिए क्वालिफिकेशन प्रक्रिया शामिल है। यह भी तय हुआ कि सीनियर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भाग लेने की न्यूनतम आयु 15 वर्ष रहेगी, लेकिन विशेष मामलों में इसकी समीक्षा की जा सकती है। यह फैसले शुक्रवार (18 जुलाई) को सिंगापुर में हुई मुख्य कार्यकारी समिति (सीईसी) की बैठक में लिए गए। शनिवार को एक वर्किंग ग्रुप बनाया जाएगा। इस ग्रुप में सीईसी और बोर्ड के सदस्य शामिल होंगे। इसका मुख्य काम 2028 ओलिंपिक के लिए क्वालिफिकेशन का तरीका सुझाना होगा। आईसीसी का मानना है कि रैंकिंग के आधार पर टीमें चुनी जा सकती हैं, लेकिन जय शाह की अध्यक्षता वाली आईसीसी ने यह निर्णय वर्किंग ग्रुप पर छोड़ दिया है। कुछ लोग क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट कराने का सुझाव दे रहे हैं, लेकिन समय की कमी और व्यस्त फ्यूचर टूर्स प्रोग्राम के कारण यह मुश्किल है। फिर भी, ग्रुप से सभी संभावित विकल्पों की जांच करने को कहा जाएगा। अगर रैंकिंग के आधार पर क्वालिफिकेशन का सुझाव आता है, तो ग्रुप को रैंकिंग की अंतिम तारीख भी बतानी होगी। नए सीईओ संजोग गुप्ता की अध्यक्षता वाली बैठक में यह भी बताया गया कि अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की न्यूनतम आयु 15 वर्ष रहेगी, जैसा कि आईसीसी की मेडिकल सलाहकार समिति ने सुझाया था। हालांकि, विशेष परिस्थितियों में छूट दी जा सकती है।ओलिंपिक में केवल 6 पुरुष और 6 महिला टीमें भाग लेंगी। टेस्ट क्रिकेट के 2-तैयार सिस्टम पर सीईसी में कोई चर्चा नहीं हुई, लेकिन माना जा रहा है कि वर्किंग ग्रुप से इस पर सुझाव मांगा जाएगा। साथ ही, ग्रुप से वनडे और टी20 फॉर्मेट में बदलाव के लिए भी सिफारिशें देने को कहा जाएगा। आईसीसी बोर्ड यूएसए क्रिकेट (यूएसएसी) के भविष्य पर फैसला लेगा। हाल ही में एक नॉर्मलाइजेशन कमेटी ने यूएसए का दौरा किया और यूएसएसी से इस्तीफा देने को कहा, लेकिन यूएसएसी के कुछ सदस्यों ने इसका विरोध किया है। चूंकि ओलिंपिक यूएसए में होने वाले हैं, इसलिए यह फैसला बहुत महत्वपूर्ण होगा।2028 लॉस एंजिलिस ओलिंपिक के लिए क्रिकेट की क्वालिफिकेशन प्रक्रिया पर आईसीसी ने अभी अंतिम फैसला नहीं लिया है। आईसीसी ने एक वर्किंग ग्रुप बनाने का निर्णय लिया है, जो क्वालिफिकेशन का तरीका सुझाएगा। इस ग्रुप को सभी संभावित विकल्पों की जांच करने को कहा गया है, जिसमें दो मुख्य सुझाव हैं- आईसीसी का मानना है कि टीमें आईसीसी रैंकिंग के आधार पर चुनी जा सकती हैं। अगर यह तरीका अपनाया जाता है, तो वर्किंग ग्रुप को रैंकिंग की अंतिम तारीख भी सुझानी होगी। कुछ लोग अलग से एक क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट कराने का सुझाव दे रहे हैं। हालांकि, व्यस्त फ्यूचर टूर्स प्रोग्राम और समय की कमी के कारण यह विकल्प मुश्किल लगता है।

कॉन्वे की फिफ्टी से न्यूजीलैंड जीता,ट्राई सीरीज के तीसरे मैच में जिम्बाब्वे को 8 विकेट से हराया; मैट हेनरी को 3 विकेट

नयी दिल्ली। डेवोन कॉन्वे की फिफ्टी से न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे को टी20आई ट्राई सीरीज में 8 विकेट से हराकर लगातार दूसरी जीत हासिल की। इसी के साथ कीवी टीम पॉइंट्स टेबल के टॉप पर पहुंच गई हैं। शुक्रवार को हरारे में खेल गए मैच में मैट हेनरी के 3 विकेट के दम पर न्यूजीलैंड ने पहले गेंदबाजी करते हुए जिम्बाब्वे को 120/7 के स्कोर पर रोका। इसके बाद न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने 14 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। इससे उनका नेट रन रेट 1.919 तक पहुंच गया। जिम्बाब्वे को अभी कोई अंक नहीं मिला है और उन्हें ट्राई सीरीज में बाहर होने से बचने के लिए दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले दोनों मैच जीतने होंगे।इस मैच में जिम्बाब्वे ने पिछले मैच (दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ) की तुलना में अधिक आक्रामकता दिखाई, लेकिन वे केवल 11 चौके और एक छक्का ही लगा सके, जो पिछले मैच से कम था।जिम्बाब्वे की सबसे बड़ी साझेदारी 37 रन की थी, जबकि न्यूजीलैंड ने दो अर्धशतकीय

साझेदारियां कीं।टिम साइफर्ट के आउट होने के बाद डेवोन कॉनवे और रचिन रवींद्र ने 44 गेंदों में 59 रन जोड़े, फिर कॉनवे और डेरिल मिशेल ने 32 गेंदों में 58 रन की साझेदारी कर जीत आसान कर दी ।न्यूजीलैंड की गेंदबाजी शानदार रही। मैट हेनरी ने 3/26 के साथ छोटी गेंदों का अच्छा उपयोग किया।स्पिनर मिशेल सैंटनर, माइकल ब्रेसवेल और रवींद्र ने 9 ओवर में केवल 43 रन देकर एक-एक विकेट लिया। जिम्बाब्वे के गेंदबाजों में केवल ब्लेसिंग मुजारबानी ने 6.75 की इकोनॉमी के साथ एक विकेट लिया। वेलिंगटन मसाकद्ज़ा की जगह तेज गेंदबाज टिनोटेंडा मापोसा को खिलाने का फैसला गलत साबित हुआ।वेस्ली मधेवेरे ने पहली गेंद पर चौका लगाकर जिम्बाब्वे को तेज शुरुआत दी। पहले ओवर में 11 रन बने। पिछले 11 पारियों में केवल एक बार 20 से अधिक रन बनाने वाले मधेवेरे ने आक्रामकता दिखाई, लेकिन 36 रन बनाकर आउट हो गए।मधेवेरे और क्लाइव मडांडे के आउट होने के बाद जिम्बाब्वे का मिडिल ऑर्डर 43 गेंदों में 5 विकेट खोकर 37 रन ही बना सका। रेयान बर्ल, सिकंदर रजा और ताशिंगा मुसेकिवा जल्दी आउट हुए, जिससे एक समय जिम्बाब्वे 17वें ओवर में 98/6 के स्कोर पर था। आखिरी 3 ओवर में केवल 21 रन बने।रिचर्ड नगरावा और मुजारबानी ने शुरुआत में दबाव बनाया। नगरावा को पहली गेंद पर विकेट मिल सकता था, लेकिन कैच छूटा। मुजारबानी ने साइफर्ट को आउट किया, लेकिन कॉनवे के दो कैच छोड़े। न्यूजीलैंड चार ओवर में 19/1 था, लेकिन रवींद्र के तीन चौकों ने दबाव कम किया।कॉन्वे शुरू में संघर्ष करते दिखे। उनके दो शॉट टॉप-एज हुए, लेकिन कैच नहीं हुए। मापोसा की गेंद पर वह लगभग आउट थे, और एक बार रन-आउट भी बचे। लेकिन बाद में उन्होंने नगरावा और रजा पर छक्के लगाए और 34 गेंदों में अर्धशतक बनाया। यह उनकी पिछले 15 टी20आई पारियों में दूसरी फिफ्टी थी।

दुबई से 14 दिन बाद पंजाब पहुंचा युवक का शव,गुरदासपुर का रहने वाला, हार्ट अटैक से हुई मौत, 4 साल पहले गया था

गुरदासपुर। पंजाब के युवक का

शव आज 14 दिन बाद दुबई से आया है। पार्थिव शरीर श्री गुरु रामदास अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे अमृतसर पर पहुंचा। मृतक की पहचान गुरदासपुर जिले के बटाला के गिल मंझ गांव निवासी रणजीत सिंह (40) के तौर हुई है। कारणजीत सिंह पिछले 4 सालों से दुबई में काम कर रहे थे। वो अच्छे भविष्य की तलाश में दुबई गए थे लेकिन अब ताबूत में लौटे हैं। सरबत दा भला ट्रस्ट के नेता नवजीत सिंह ने बताया कि 4 जुलाई को काम करते समय हार्ट अटैक से रणजीत की मौत हो गई थी। ट्रस्ट के पंजाब अध्यक्ष सुखजिंदर सिंह हीर के नेतृत्व में पार्थिव शरीर को हवाई अड्डे से प्राप्त किया गया। शव को लाने का खर्च उनकी कंपनी ने दिया।ट्रस्ट ने परिवार की आर्थिक स्थिति का जायजा लेने के बाद रणजीत की पत्नी को मासिक पेंशन देने का निर्णय लिया है। उसके गांव से सरपंच सहित अन्य सदस्य उसका शव लेने के लिए नम आंखों से एयरपोर्ट पहुंचे। डॉ. ओबराय के संरक्षण में अब तक 418 प्रवासी भारतीयों के पार्थिव शरीर उनके परिवारों तक पहुंचाए जा चुके हैं।सरपंच सुखदीप सिंह ने बताया कि मृतक रणजीत सिंह दुबई गए थे जहां उनकी मौत हो गई और परिवार अपने मृतक को लाने में असमर्थ था, जिसके कारण सरबत दा भला ट्रस्ट ने परिवार की मदद की और रणजीत सिंह को मृतक के घर पहुंचाया। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी हमारे गांव में कई युवाओं की मौत हो चुकी है, जिनके शव सरबत दा भला ट्रस्ट द्वारा लाए गए हैं। हम उनके आभारी है। ट्रस्ट ने कुछ महीने पहले अमृतसर हवाई अड्डे से मृतकों के घर तक निशुल्क एम्बुलेंस सेवा शुरू की है। मृतक के साले संतोख सिंह, गुरप्रीत सिंह, भाई मनविंदर सिंह, सरपंच सुखदीप सिंह और कुलवंत सिंह ने डॉ. एसपी सिंह ओबराय से मिलकर सहायता के लिए आभार व्यक्त किया।

शास्त्री बोले- पंत बिना विकेटकीपिंग के मैनचेस्टर टेस्ट न खेलें:टीम मैनेजमेंट बतौर बैटर खिलाना चाह रही; चौथा टेस्ट 23 जुलाई से

नयी दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कोच रवि शास्त्री का मानना है कि अगर ऋषभ पंत

विकेटकीपिंग के लिए फिट नहीं हैं, तो उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में नहीं खेलना चाहिए। तीसरे टेस्ट के पहले दिन पंत की उंगली में चोट लग गई थी, जिसके बाद ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की। भारत 5 मैचों की सीरीज में 2-1 से पीछे है, और टीम प्रबंधन पंत को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में होने वाले चौथे टेस्ट में बतौर बल्लेबाज खिलाने पर विचार कर रहा है। शास्त्री ने टीम मैनेजमेंट के फैसले का विरोध किया। उन्होंने कहा कि इससे पंत की चोट खेलने से और गंभीर हो सकती है। अगर पंत फील्डिंग करेंगे, तो चोट और खराब हो सकती है। दस्तानों के साथ कुछ सुरक्षा होती है, लेकिन बिना दस्तानों के अगर गेंद उंगली पर लगी, तो हालत और बिगड़ सकती है। उन्हें विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी दोनों करनी होगी। उन्होंने आगे कहा, अगर फ्रैक्चर है, तो उन्हें आराम करके ओवल के आखिरी टेस्ट के लिए तैयार होना चाहिए। अगर फ्रैक्चर नहीं है, तो उनके पास ठीक होने के लिए 9 दिन हैं। पंत इस सीरीज में शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने पहले टेस्ट की दोनों पारियों में शतक (134 और 118) बनाकर इतिहास रचा, ऐसा करने वाले वे दुनिया के दूसरे विकेटकीपर बने थे। दूसरे टेस्ट में उनकी 65 रन की पारी ने भारत को 336 रन से जीत दिलाने में मदद की। तीसरे टेस्ट में भी उन्होंने 74 रन बनाए। पंत ने सीरीज में अब तक 3 मैचों में 425 रन बनाए हैं, जिसमें 2 शतक और 2 अर्धशतक शामिल हैं, और उनका औसत 70.83 है। चौथा टेस्ट 23 जुलाई से शुरू होगा, जिसमें भारत सीरीज बराबर करने की कोशिश करेगा।ऋषभ पंत को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के पहले दिन फील्डिंग के दौरान उंगली में चोट लगी। यह चोट विकेटकीपिंग करते समय लगी, जब एक गेंद उनकी उंगली पर जा लगी। इसके बाद वे मैच के बाकी हिस्सों में विकेटकीपिंग नहीं कर सके, और ध्रुव जुरेल ने उनकी जगह विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली।अगर पंत चोट के कारण चौथे टेस्ट (23 जुलाई, मैनचेस्टर) में नहीं खेलते, तो जुरेल को बल्लेबाजी और कीपिंग का मौका मिल सकता है। जुरेल इंग्लैंड दौरे के शुरुआत में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ इंडिया-ए के लिए खेलते हुए जुरेल शानदार प्रदर्शन किया। दो अनौपचारिक टेस्ट मैचों में की चार पारियों में 75.6 के औसत से 227 रन बनाए, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। पहले टेस्ट की पहली पारी में उन्होंने 94 रन (120 गेंद, 11 चौके, 1 छक्का) बनाए, दूसरी पारी में नाबाद 53 रन (53 गेंद) और दूसरे टेस्ट की पहली पारी में 52 रन (87 गेंद, 7 चौके) बनाए। चौथी पारी में वे 28 रन बनाकर आउट हुए।

चार भारतीय महिला खिलाड़ी एफआईडीई वर्ल्ड-कप के क्वार्टर फाइनल में:हम्पी-वैशली चीनी खिलाड़ी से भिड़ेंगी; दिव्या-हरिका का आपस में मुकाबला

नयी दिल्ली। भारत की चार

महिला चेस खिलाड़ी एफआईडीई विमेन वर्ल्ड कप के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई हैं। जॉर्जिया के बटुमी में आयोजित हो रही इस टूर्नामेंट में कोनेरू हम्पी, द्रोणवल्ली हरिका, आर.वैशाली और इंटरनेशनल मास्टर दिव्या देशमुख ने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बना ली है। अनुभवी हम्पी ने भी स्विट्जरलैंड की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन एलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक को टाईब्रेक्स में 1.5-0.5 से हराया। हम्पी सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए चीन की युशिन सॉन्ग से भिड़ेंगी। दिव्या और हरिका में से एक का सेमीफाइनल में जाना तय दिव्या और हरिका में से एक का सेमीफाइनल में जाना तय है। क्वार्टर फाइनल में दिव्या और हरिका आपस में भिड़ेंगी। जिससे यह मुकाबला पूरी तरह से भारतीय होगा। दिव्या ने प्री-क्वार्टरफाइनल में दूसरे वरीयता प्राप्त चीनी खिलाड़ी झू जिनर को 1.5-0.5 से हराया। उन्होंने पहले गेम में काले मोहरों से जीत हासिल की और दूसरे गेम में सफेद मोहरों से ड्रॉ किया।हरिका ने रूस की कतेरीना लागनो के खिलाफ 15 प्लस 10 रैपिड टाईब्रेक्स के पहले गेम में हार का सामना किया, लेकिन दूसरे गेम में वापसी करते हुए जीत हासिल की। मुकाबला फिर 10प्लस10 रैपिड टाईब्रेक्स में चला गया, जहां हरिका ने पहले गेम में काले मोहरों से ड्रॉ किया और दूसरे गेम में सफेद मोहरों से जीत दर्ज की। आर.वैशाली ने कजाकिस्तान की मेरुएर्त कमालिदेनोवा के खिलाफ 15प्लस10 और 10प्लस10 रैपिड टाईब्रेक्स में गेम्स को बांटा। मुकाबला ब्लिट्ज टाईब्रेक्स में चला गया, जहां प्रत्येक खिलाड़ी को प्रति गेम तीन सेकंड की बढ़ोतरी के साथ पांच मिनट मिले। वैशाली ने पहले गेम में काले मोहरों से ड्रॉ किया और दूसरे गेम में सफेद मोहरों से जीत हासिल की। वैशाली का क्वार्टरफाइनल मुकाबला चीन की तान झोंगयी से होगा। महिला विश्व कप, एक हाई-स्टेक नॉकआउट टूर्नामेंट है, जिसमें कुल 6,91,250 अमेरिकी डॉलर (5 करोड़ 96 लाख रुपए) का पुरस्कार है। विजेता को 50,000 डॉलर (43 लाख 9 हजार रुपए) मिलेंगे। वहीं इस टूर्नामेंट में टॉप-3 पर रहने वाली महिला खिलाड़ी वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई भी करेंगी।

राणा नायडू के पहले सीजन में अदिति हुई थीं रिजेक्ट,दूसरे में बनीं स्टंट वुमन तसनिम, शादी की खबरों पर बोलीं- मैंने कभी नहीं कहा

मुंबई। एक्ट्रेस अदिति शेट्टी इन दिनों वेब सीरीज राणा नायडू के सीजन 2 में नजर आ रही हैं। इसमें उन्होंने तसनीम का किरदार निभाया है, जो एक शक्तिशाली महिला का रोल है। आदिति ने बातचीत के दौरान बताया कि इस किरदार को निभाने के लिए उन्होंने क्या-क्या तैयारी की। साथ ही उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में भी बात की।राणा नायडू वेब सीरीज में काम करने का अनुभव मेरे लिए बेहद खास और यादगार रहा। यह मेरे लिए किसी आशीर्वाद से कम नहीं था। पूरी टीम बहुत ही अच्छी और प्रोफेशनल है। अगर कलाकारों की बात करूं तो राणा दग्गुबाती, सुशांत सिंह, अर्जुन रामपाल और अभिषेक बनर्जी जैसे शानदार अभिनेताओं के साथ काम करना मेरे लिए एक बहुत बड़ी बात थी। मैंने इन सभी से बहुत कुछ सीखा। सिर्फ कलाकार ही नहीं, डायरेक्टर्स और बाकी क्रू के साथ काम करना भी बेहद अच्छा रहा। कुल मिलाकर मेरा अनुभव बहुत ही अच्छा था।इस सीरीज में मैं तसनीम का किरदार निभा रही हूं, जो एक स्टंट वुमन है। यह किरदार एक बहुत ही मजबूत और आत्मनिर्भर महिला का है। तसनीम राणा के वर्ल्ड में उन चुनिंदा महिलाओं में से एक है जो किसी के सामने भी डटकर खड़ी हो सकती है और जो अपने हक के लिए लड़ सकती है। मुझे यह किरदार इसीलिए भी खास लगा क्योंकि यह न केवल फिजिकली स्ट्रॉन्ग है, बल्कि इमोशनली भी बहुत ग्राउंडेड है। एक और खूबसूरत पहलू यह है कि मेरे और अभिषेक बनर्जी के किरदार के बीच एक बेहद प्यारी लव स्टोरी भी दिखाई गई है। जहां पूरी सीरीज में एक्शन और इंटेंस ड्रामा है, वहीं यह लव स्टोरी दर्शकों को एक इमोशनल कनेक्शन भी देती है, जो आज के समय में बहुत कम देखने को मिलती हैं।आदिति और तसनीम एक-दूसरे से काफी अलग हैं। मैं असल जिंदगी में बहुत तेज-तेज और जल्दबाजी में बोलने वाली हूं, जबकि तसनीम बहुत ठहरकर, सोच-समझकर बात करती है। जब तसनीम कुछ कहती है, तो लोग उसे ध्यान से सुनते हैं। तसनीम बहुत मुंहफट और स्ट्रेट फॉरवर्ड है। उसे पता है कि अपना काम दूसरों से कैसे निकलवाना है और वह किसी के सामने झुकती नहीं। जबकि मैं असल जिंदगी में थोड़ी अलग हूं।जब मुझे पता चला कि मेरा राणा दग्गुबाती सर के साथ वन-ऑन-वन एक्शन सीन है, तो मैं बहुत खुश थी, लेकिन उतनी ही नर्वस भी। मन में कई सवाल थे। कैसे करूंगी, क्या ठीक से कर पाऊंगी। लेकिन जैसे ही मैं सेट पर पहुंची, सब कुछ अपने आप ही आसान हो गया। राणा सर ने माहौल इतना नॉर्मल बना दिया था कि नर्वसनेस धीरे-धीरे खत्म हो गई। वो सेट पर बहुत शांत और सहयोगी थे। उन्होंने कभी मुझे ऐसा महसूस नहीं होने दिया कि मैं नई हूं या कुछ गलत कर रही हूं।देखिए, रिजेक्शन किसी को भी अच्छा नहीं लगता मुझे भी नहीं लगा था। हां, थोड़ी निराशा जरूर हुई थी, क्योंकि मैं पहले सीजन का हिस्सा बनना चाहती थी। लेकिन मैं ये भी समझती हूं कि हर ऑडिशन में सिलेक्शन नहीं होता। ये प्रोसेस का हिस्सा है और इससे सीख मिलती है। जब मुझे पता चला कि इसका दूसरा सीजन आ रहा है, तो मैं बिना किसी झिझक के फिर से ऑडिशन देने पहुंच गई। इस बार मेरा सिलेक्शन हुआ और मुझे एक बेहतरीन किरदार निभाने का मौका मिला।हां, मैं कह सकती हूं कि मैं अपने करियर से संतुष्ट हूं। यह जरूर नहीं कहूंगी कि मैं अभी करियर के शिखर पर हूं, लेकिन धीरे-धीरे मैं आगे बढ़ रही हूं और अच्छी प्रगति कर रही हूं। मैंने कई ब्यूटी पेजेंट्स जीते हैं, कई रैंप वॉक किए हैं, टीवी शोज में काम किया है और अब ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर भी कर रही हूं। इस सफर में मुझे बहुत कुछ सीखने और करने का मौका मिला है और मैं अपने अब तक के करियर से खुश हूं।इन खबरों पर मैं क्या ही कहूं। ये सब अफवाहें हैं, लोगों के बनाए हुए कयास हैं। मैंने कभी कहीं नहीं कहा कि मेरी शादी होने वाली है। ये बातें मेरी तरफ से कभी नहीं आईं। हां, जब भी शादी करूंगी, तो खुद सबको जरूर बताऊंगी।

रूढ़िवादी मुस्लिम परिवार से थीं बॉलीवुड एक्ट्रेस जोहरा सहगल,8 साल छोटे हिंदू युवक से इलाहाबाद में कोर्ट मैरिज की थी, माहौल बिगड़ा तो लाहौर से भागना पड़ा था

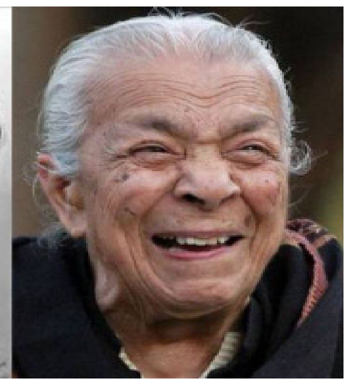

मुंबई। बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा जोहरा सहगल आज भी अपनी फिल्मों और बेमिसाल शख्सियत के लिए याद की जाती हैं, लेकिन फिल्मों में नाम कमाने से पहले भी जोहरा अपने फैसलों को लेकर चर्चा में थीं। जोहरा ने एक ऐसा फैसला लिया था जो उस दौर में न तो आम था और न ही समाज या उनके परिवार के लिए स्वीकार्य था।जोहरा ने भारत और पाकिस्तान के बंटवारे से पहले एक हिंदू युवक से शादी की थी। उनका नाम कमेश्वर सहगल था। वह उनसे उम्र में आठ साल छोटे थे। दोनों की मुलाकात उत्तराखंड के अल्मोड़ा में उदय शंकर द्वारा स्थापित डांस स्कूल में हुई थी।द इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, जोहरा को कमेश्वर से पहली ही मुलाकात में प्यार हो गया। अपने 100वें जन्मदिन पर दिए एक इंटरव्यू में जोहरा ने बताया था कि 1940 में वह कमेश्वर से मिली थीं। वह इंदौर से आए हुए एक चित्रकार थे और उसी डांस स्कूल में ट्रेनिंग ले रहे थे। जोहरा ने ये भी कहा था- 'वो बहुत हैंडसम और टैलेंटेड थे। एक बर्मी झोपड़ी की पेंटिंग जो उन्होंने चावल और फंगस से बनाई थी, मुझे बहुत पसंद आई। उम्र में छोटे थे, लेकिन मेरे लिए उनके मन में भी वैसा ही भाव था।' जोहरा पहले ही एक मशहूर डांसर बन चुकी थीं। वह कई देशों की यात्रा कर चुकी थीं और भारत की जानी-मानी क्लासिकल डांसर्स में गिनी जाती थीं। इसके बाद दोनों ने करीब दो साल एक-दूसरे को जाना और फिर 1942 में शादी कर ली। यह वह समय था जब देश में भारत छोड़ो आंदोलन चल रहा था।जोहरा ने बताया था, 'हमने इलाहाबाद में कोर्ट मैरिज की थी। तब रेलवे लाइन और सड़कें बंद थीं, इसलिए हमारे साथ बस एक ही बाराती था।' बता दें कि जोहरा के लिए शादी करना आसान नहीं था क्योंकि वो एक पारंपरिक मुस्लिम परिवार से थीं और उनके पति एक हिंदू थे। उस वक्त यह बात लोगों को चौंकाने वाली लगी थी। हाल ही में हटरफ्लाई को दिए एक इंटरव्यू में जोहरा की परनातिन और एक्ट्रेस आयशा रजा मिश्रा ने बताया था, 'उन्होंने (जोहरा) शादी करने का फैसला लिया, वो भी उस व्यक्ति से जो उनसे आठ साल छोटा था, हिंदू था और खुद वो एक कंजरवेटिव मुस्लिम परिवार से थीं। सोचिए उस दौर में किसी लड़की का अपने पिता से कहना कि मुझे प्यार हो गया है और मैं शादी करना चाहती हूंष्ठ और फिर बताना कि लड़का डांसर है, उम्र में छोटा है और दूसरे धर्म से है। ये हमारे परिवार के लिए बहुत बड़ा कदम था।' शादी के बाद जोहरा और कमेश्वर ने लाहौर में एक परफॉर्मिंग आर्ट्स संस्थान खोला जिसका नाम 'जोरेश' रखा गया। बता दें कि यह एक तरह से हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल थी, लेकिन कुछ ही समय में इलाके में माहौल बिगड़ने लगा। जिसके बाद जोहरा और कमेश्वर को अपने बच्चे के साथ अचानक बंबई (अब मुंबई) जाना पड़ा। वहां दोनों पृथ्वी थिएटर से जुड़ गए। यहीं से जोहरा को एक्टिंग का असली मंच मिला। 2012 में हिंदुस्तान टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में जोहरा ने अपने पति को लेकर कहा था, 'वो हर काम में टैलेंटेड थे, आर्टिस्ट, होम्योपैथ, डांसर और कुकष्ठ लेकिन किसी एक में मशहूर नहीं हो पाए।' कमेश्वर का निधन 1959 में हो गया था। वहीं, जोहरा ने लंबा जीवन जिया और 102 साल की उम्र में 2014 में उनका निधन हुआ। जोहरा ने आठ दशकों तक बॉलीवुड और ब्रिटिश सिनेमा में एक्टिंग की। उनकी प्रमुख फिल्मों में 'नीचा नगर', 'अफसर', 'दिल से', 'वीर-जारा', 'सावरिया', 'चीनी कम', और 'बेंड इट लाइक बेकहम' शामिल हैं। जोहरा ने टीवी शो 'द ज्वेल इन द क्राउन', 'तंदूरी नाइट्स' और 'अम्मा एंड फैमिली' में भी काम किया।

एसएस राजामौली ने की जेनेलिया डिसूजा की तारीफ,बोले- तुमने समय को रोक दिया है, आज भी पहले जितनी खूबसूरत हो

मुंबई। हाल ही में जेनेलिया डिसूजा की तेलुगु फिल्म 'जूनियर' का प्री इवेंट हुआ। इस इवेंट में फिल्ममेकर एसएस राजामौली और जेनेलिया का आमना-सामना हुआ। दोनों की मीटिंग का वीडियो इस वक्त सोशल मीडिया पर वायरल है। दरअसल, इवेंट के दौरान, राजामौली जेनेलिया की खूबसूरती देख खुद को तारीफ करने से नहीं रोक पाए। वायरल वीडियो में नजर आ रहा है कि एसएस राजामौली स्टेज से कहते हैं, 'जेनेलिया, तुमने तो समय को रोक दिया है। क्या... कितने साल बीत गए, फिर भी तुम बिल्कुल वैसी ही दिखती हैं। वही खूबसूरती, वही शालीनता। मैंने सिनेमैटोग्राफर सेंथिल से भी पूछा कि क्या हमें इसमें नई जेनेलिया देखने को मिलेगी, और उन्होंने भरोसा दिलाया, जरूर मिलेगी। मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।' राजामौली से मिली तारीफ को सुनकर जेनेलिया काफी खुश नजर आ रही हैं। फिर वो उन्हें इसके लिए शुक्रिया भी कहती हैं। स्टेज से उतरने के बाद राजामौली वहां मौजूद सभी लोगों से मिलते हुए जेनेलिया के पास पहुंचते हैं। वहां भी वो जेनेलिया की तारीफ करते नजर आ रहे हैं।बता दें कि जेनेलिया ने हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु, मलयालम, मराठी और कन्नड़ फिल्मों में काम किया है। एसएस राजामौली के साथ जेनेलिया ने साल 2004 में फिल्म 'सई' में काम किया था। ये फिल्म कमर्शियल सक्सेसफुल रही थी और इस चार नंदी अवॉर्ड भी मिले थे। जेनेलिया ने लंबे समय के गैप के बाद हाल ही में फिल्म 'सितारे जमीन पर' से बड़े पर्दे पर वापसी की है। इस फिल्म को काफी अच्छा रिस्पांस मिला है। एक्ट्रेस फिल्म 'जूनियर' से तेलुगु सिनेमा में भी वापसी कर रही हैं। 'जूनियर' 18 जुलाई को रिलीज हो गई है। राधाकृष्ण रेड्डी के डायरेक्शन में बनीं इस फिल्म में जेनेलिया के साथ किरीटी रेड्डी, श्री लीला और वी. रविचंद्रन भी हैं।

विजय देवरकोंडा की तबीयत बिगड़ी,डेंगू के कारण अस्पताल में हुए भर्ती, 20 जुलाई को हो सकते हैं डिस्चार्ज

मुंबई। साउथ एक्टर विजय देवरकोंडा को डेंगू होने के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इलाज के दौरान उनके साथ उनका पूरा परिवार भी मौजूद है। उम्मीद की जा रही है कि उन्हें 20 जुलाई को डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। दरअसल, इंस्टाग्राम हैंडल एंटरटेनमेंट एफ की एक पोस्ट में दावा किया गया है कि विजय देवरकोंडा को डेंगू हो गया है, जिस करण वह हॉस्पिटल में भर्ती है। हालांकि, विजय या उनकी टीम की ओर से अब तक इस मामले में कोई बयान सामने नहीं आया है।बता दें, ईडी ने 10 जुलाई को 29 सेलिब्रिटी के खिलाफ केस दर्ज किया था। इसमें एक्टर विजय देवरकोंडा, राणा दग्गुबाती और प्रकाश राज के नाम शामिल हैं। आरोप है कि इन्होंने अवैध बेटिंग एप्लिकेशन का प्रचार किया। यह कार्रवाई हैदराबाद पुलिस द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी के आधार पर की गई थी। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, हैदराबाद के मियापुर पुलिस स्टेशन में मार्च में 32 साल के कारोबारी पीएम फनीन्द्र शर्मा की शिकायत पर एफआईआर दर्ज हुई थी।

मूवी रिव्यू- 'सैयारा',मोहित सूरी की फिल्म में 'आशिकी 2' की टीस नए साज में, अहान का डेब्यू सरप्राइज, अनीत की सादगी ने दिल जीता

मुंबई। मोहित सूरी के निर्देशन में बनी फिल्म सैयारा आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस फिल्म से अनन्या पांडे के कजिन और चंकी पांडे के भतीजे अहान पांडे ने डेब्यू किया है। फिल्म में उनके साथ लीड रोल में अनीत पड्डा हैं जो काजोल स्टारर सलाम वेंकी में नजर आ चुकी हैं। इस फिल्म की लेंथ 2 घंटा 36 मिनट है।वाणी बत्रा (अनीत पड्डा) एक शांत मिजाज की लड़की है, जो दुनिया से छुपाकर कविताएं लिखती है। जब उसकी कोर्ट मैरिज ऐन वक्त पर टूट जाती है, तो वह बुरी तरह टूट जाती है और लिखना भी छोड़ देती है। छह महीने बाद, वाणी बतौर पत्रकार एक नई शुरुआत करती है। वहीं उसकी मुलाकात होती है क्रिश कपूर (अहान पांडे) से होती है। वह एक गुस्सैल लेकिन लेकिन उभरता हुआ टैलेंटेड सिंगर है, जो अपने गानों के लिए अल्फाज तलाश रहा है। क्रिश जब वाणी की पुरानी कविताएं पढ़ता है, तो वो उसके अंदर की भावनाओं से जुड़ जाता है और दोनों मिलकर एक साथ गाने बनाना शुरू करते हैं। संगीत उन्हें करीब लाता है, लेकिन उनकी जिंदगी की उलझनें आसान नहीं हैं। प्यार, करियर और अतीत, सब कुछ बीच में आकर इस मोहब्बत को बार-बार तोड़ता है। अहान पांडे का डेब्यू सरप्राइज पैकेज है। उनका गुस्सा, असुरक्षा और प्यार,सब कुछ स्क्रीन पर साफ झलकता है। अनीत पड्डा ने अपने किरदार में बहुत सादगी और परिपक्वता दिखाई है। उनकी आवाज और आंखों के जरिए जो दर्द बाहर आता है, वो दिल को छूता है। सह कलाकारों में गीता अग्रवाल शर्मा और वरुण बडोला जैसे चेहरे सीमित, लेकिन असरदार हैं।मोहित सूरी अपनी इमोशनल कहानियों और म्यूजिकल लव स्टोरीज के लिए जाने जाते हैं। फिल्म 'सैयारा' में वो उसी जोन में लौटे हैं। कहानी में गहराई है, लेकिन कुछ हिस्सों में पुराने फॉर्मूले की झलक मिलती है। इंटरवल ब्लॉक में ट्विस्ट चौंकाता है और कुछ दृश्य सचमुच असर छोड़ते हैं। खासकर जब वाणी अपना अतीत क्रिश से साझा करती है या जब दोनों का एक गीत तैयार होता है। ड्रामा, संगीत और रिश्तों की जटिलता को मोहित ने बड़ी खूबसूरती से पिरोया है, लेकिन क्लाइमैक्स थोड़ी और कसावट मांगता है। फिल्म कुछ हिस्सों में प्रेडिक्टेबल हो जाती है। मोहित सूरी की पुरानी फिल्मों जैसे 'आशिकी 2' की हल्की झलकें महसूस होती हैं।कहानी में एक नया पैनापन और थोड़ा और ताजगी होती, तो फिल्म का असर और गहराता। कैमरा वर्क और प्रोडक्शन डिजाइन फिल्म को विज़ुअली रिच बनाते हैं। एडिटिंग थोड़ी और चुस्त हो सकती थी, खासकर दूसरे हिस्से में।संगीत फिल्म की जान है। इसमें कोई शक नहीं कि 'सैयारा' का म्यूजिक लंबे वक्त तक प्लेलिस्ट में बना रहेगा। टाइटल ट्रैक इमोशनल है और कहानी को उठाता है। 'धुन', 'बरबाद', 'तुम हो तो', हर गाना माहौल बनाता है, जोर से नहीं, धीरे-धीरे असर करता है।'सैयारा' उन लोगों के लिए है, जो टूटे दिलों से निकली आवाजों को सुनना जानते हैं। ये फिल्म दिखाती है कि कैसे संगीत न सिर्फ जोड़ता है, बल्कि जख्मों को भरने का जरिया भी बनता है। अगर आप इमोशनल लव स्टोरीज और मेलोडियस म्यूजिक पसंद करते हैं, तो सैयारा आपका दिल छू सकती है।

सलमान के लिए फिल्म बैटल ऑफ गलवान बनी चैलेंजिंग,बोले- ऊंचाई पर शूटिंग करना आसान नहीं, बहुत मेहनत करनी पड़ती है

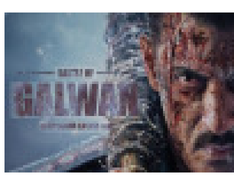

मुंबई। सलमान खान इन दिनों अपनी फिल्म बैटल ऑफ गलवान को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने फिल्म में निभाए गए किरदार के बारे में बात की और यह भी बताया कि इस रोल को निभाने के लिए शारीरिक तौर पर उन्हें किन-किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा। पीटीआई से बातचीत के दौरान सलमान खान ने कहा, फिल्म बैटल ऑफ गलवान में मेरा किरदार फिजिकली काफी चैलेंजिंग है। हर साल, हर महीने, हर दिन यह और भी ज्यादा मुश्किल होता जा रहा है। अब मुझे ज्यादा समय देना पड़ता है। पहले मैं यह एक या दो हफ्तों में कर लेता था, लेकिन अब मुझे दौड़ना, किक मारना, पंच करना और इस तरह की चीजें करनी पड़ती हैं। इस फिल्म की मांग ही ऐसी है।सलमान ने कहा, जब मैं फिल्म सिकंदर कर रहा था तो उसका एक्शन अलग था। वह किरदार अलग था। लेकिन बैटल ऑफ गलवान का रोल फिजिकली अलग और मुश्किल है। इसके लिए मुझे लद्दाख के ऊंचे पहाड़ों पर और ठंडे पानी में शूटिंग भी करनी है, जो एक बड़ी चुनौती है। जब मैंने इस फिल्म को साइन किया, तब मुझे लगा कि यह एक शानदार फिल्म है। लेकिन यह करना कठिन है। लद्दाख में मुझे 20 दिन काम करना है और फिर सात से आठ दिन ठंडे पानी में शूटिंग करनी है। हम इसी महीने इसकी शूटिंग करने जा रहे हैं।सलमान ने अपनी फिल्म बजरंगी भाईजान 2 को लेकर भी अपडेट दिया है।

मूवी रिव्यू- 'निकिता रॉय'

मुंबई।'निकिता रॉय' सिर्फ एक डराने वाली फिल्म नहीं, बल्कि ये उन कहानियों में से है जो सिनेमाघर से निकलने के बाद भी आपके जेहन में चलती रहती है। कुश सिन्हा के निर्देशन में बनी यह फिल्म आज सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा, परेश रावल, अर्जुन रामपाल और सुहैल नैयर की अहम भूमिका है। इस फिल्म की लेंथ 1 घंटा 54 मिनट है। इस फिल्म को 5 में से 3.5 स्टार की रेटिंग दी है।कहानी की शुरुआत अर्जुन रामपाल के किरदार से होती है, जो अंदर ही अंदर किसी अनजाने डर से जूझ रहा है। धीरे-धीरे स्क्रीन पर जो माहौल बनता है, वो दर्शक को अपने साथ खींच लेता है। यह हॉरर का वो रूप है जहां चीखें नहीं, सन्नाटा डराता है। फिल्म एक सामाजिक मुद्दे,अंधविश्वास को थ्रिलर के दायरे में लाकर रखती है और एक ऐसी लड़की की जद्दोजहद को दिखाती है जो झूठे बाबाओं के खिलाफ लड़ना चाहती है, लेकिन खुद ही उस चक्रव्यूह में उलझ जाती है।सोनाक्षी सिन्हा ने 'निकिता रॉय' के किरदार में जो गहराई और गंभीरता दिखाई है, वो उनके करियर की सबसे मैच्योर परफॉर्मेंस में से एक है। परेश रावल का बाबा अमरदेव का किरदार आपको परेशान कर देगा। मुस्कुराहट के पीछे छुपी क्रूरता और चुप्पी में छिपा डर उन्हें फिल्म का सबसे रियल विलेन बनाता है। सुहैल नैयर और सोनाक्षी के बीच का रिश्ता फिल्म को इमोशनल थ्रेड देता है। वहीं, अर्जुन रामपाल की स्क्रीन प्रेजेंस भले ही सीमित रही हो, लेकिन उनकी मौजूदगी कहानी में ठहराव लाती है,काश उन्हें थोड़ी और स्क्रीन टाइम दी जाती।बतौर निर्देशक कुश सिन्हा का यह डेब्यू फिल्म है, लेकिन उनकी कहानी कहने की समझ काफी मैच्योर दिखती है। डर पैदा करने के लिए उन्होंने पारंपरिक हॉरर ट्रिक्स का सहारा नहीं लिया, न जोरदार बैकग्राउंड म्यूजिक, न अचानक उभरते चेहरों से सस्ते डर। बल्कि उन्होंने असली डर को माहौल, कैमरा मूवमेंट और स्क्रिप्ट के जरिये महसूस कराया है।पवन कृपलानी की लिखी स्क्रिप्ट का स्क्रीन पर ट्रांसलेशन काफी संतुलित है। कहानी में कोई अतिरिक्त नाटक नहीं, न ही मेलोड्रामा। बोगदाना ऑर्लेनोवा की सिनेमैटोग्राफी ने हर फ्रेम को गहराई दी है। धुंध, रोशनी और साये-सब कुछ मिलकर दर्शकों को फिल्म का हिस्सा बनाते हैं। एडिटिंग थोड़ी टाइट हो सकती थी, खासकर पहला हाफ कुछ जगह खिंचता है।फिल्म में गाने बेहद कम हैं और यही इसकी खासियत भी है। बैकग्राउंड स्कोर ने बिना ओवरपावर किए कहानी को संबल दिया है।

स्वत्वाधिकारी
प्रकाशक एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक
डॉ. दीपक अरोरा
मो 0 न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website: www.adhuniksamachar.com
नोट:- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।